वर्ष : 34 | अंक : 214 | मुंबई, शनिवार, 11 अक्टूबर 2025 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

वर्तमान में केवल 19,762 घर उपलब्ध

मुंबई पुलिस दल में वर्तमान में 51,308 कर्मी कार्यरत हैं, लेकिन उनके लिए केवल 19,762 सरकारी आवास ही उपलब्ध हैं। इनमें से कई इमारतें ब्रिटिशकालीन और जर्जर हो चुकी हैं, जिससे पुलिस परिवारों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। आधे से ज्यादा पुलिसकर्मी विरार, पालघर, कल्याण, कर्जत, कसारा और पनवेल जैसे दूर इलाकों से रोजाना 80 से 100 किमी की यात्रा कर ड्यूटी पर आते हैं। इससे न सिर्फ उनका समय और ऊर्जा खर्च होती है, बल्कि शहर में त्वरित सेवा और कानून-व्यवस्था पर भी असर पड़ता है।

51 हजार 308 कर्मी के लिए 19762 घर उपलब्ध

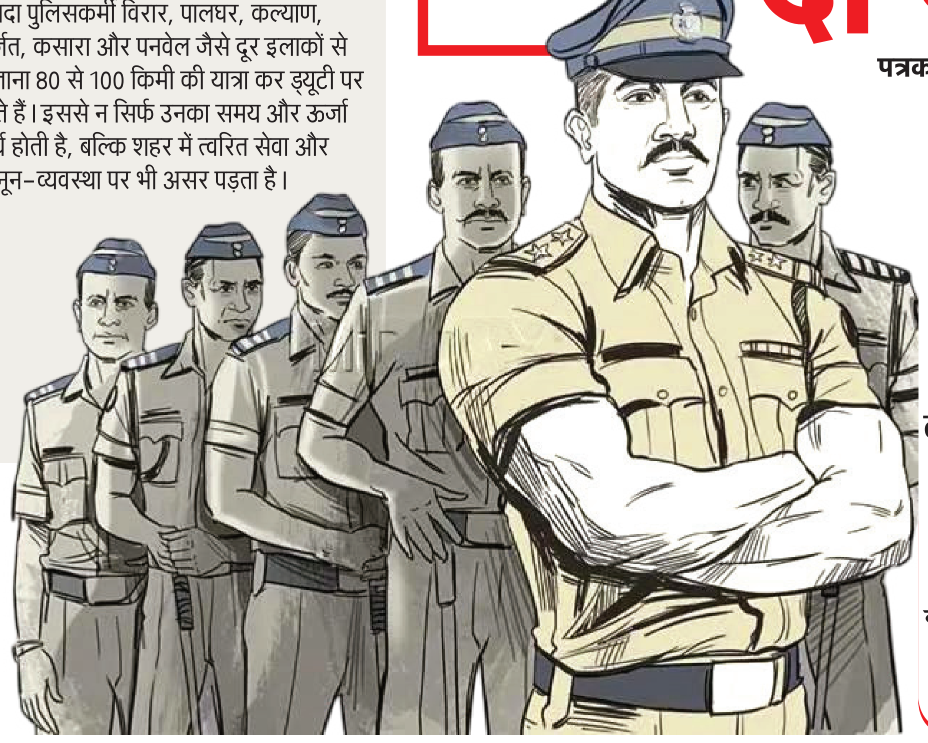

मुंबई पुलिस को दिवाली गिफ्ट

- पुलिस के लिए हाउसिंग टाउनशिप परियोजना होगी लागू
- पुलिस कर्मियों और अफसरों के लिए बनाए जाएंगे 45000 घर

धीरज सिंह | मुंबई

प्रदेश सरकार ने मुंबई पुलिस दल के लिए हाउसिंग टाउनशिप परियोजना लागू करने का निर्णय लिया है। इस परियोजना के माध्यम से पुलिस कर्मियों और अधिकारियों के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त आवास उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए सरकार ने 15 सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है, जिसकी अध्यक्षता गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव इकबाल सिंह चहल कर रहे हैं। समिति प्रस्तावित परियोजना का विस्तृत अध्ययन कर अपनी सिफारिशें सरकार को सौंपेगी।

45 हजार से अधिक घरों का निर्माण प्रस्तावित

सरकारी शासनादेश के अनुसार, मुंबई पुलिस कर्मियों के लिए लगभग 40 हजार घर, पुलिस उपनिरीक्षक व निरीक्षक दर्जे के अधिकारियों के लिए 5 हजार घर, और वरिष्ठ अधिकारियों के लिए कुछ विशेष आवास बनाए जाएंगे। कुल मिलाकर मुंबई के 75 प्लॉट्स पर पुलिस कर्मियों और अधिकारियों के लिए 45,075 से अधिक घरों का निर्माण किया जाएगा। यह परियोजना मुंबई पुलिस बल के आवास संकट को काफी हद तक दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

मुंबई पुलिस दल की ऐतिहासिक भूमिका

मुंबई पुलिस दल की संरचना ब्रिटिश कालखंड से अस्तित्व में है। वर्ष 1856 में स्थापित पुलिस आयुक्तालय देश के सबसे प्रतिष्ठित और आदर्श पुलिस संगठनों में से एक माना जाता है। मुंबई एक अंतरराष्ट्रीय महानगर होने के कारण यहां लाखों पर्यटक, व्यापारी और उद्योगपति प्रतिदिन आते हैं। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना पुलिस के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य है। इस दृष्टि से, पुलिस कर्मियों के लिए बेहतर आवास सुविधा प्रदान करना उनके मनोबल और कार्यक्षमता को बढ़ाने में मदद करेगा।

समिति में वरिष्ठ अफसरों को मिली जिम्मेदारी

परियोजना की निगरानी के लिए गठित समिति में कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल किए गए हैं। इनमें मुंबई मनपा आयुक्त भूषण गगराणी, सार्वजनिक निर्माण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव मनीषा म्हैसकर, वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ओ.पी. गुप्ता, गृहनिर्माण एवं नगर विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव असीम गुप्ता, मुख्यमंत्री सचिवालय की अतिरिक्त मुख्य सचिव अश्विनी भिड़े, मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती, मुंबई शहर की जिलाधिकारी आंचल गोयल और मुंबई उपनगर के जिलाधिकारी सौरभ कटियार शामिल हैं। साथ ही, म्हाडा, एसआरए, महाराष्ट्र पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन और राज्य आधारभूत सुविधा विकास महामंडल के अधिकारियों को भी इसमें जगह दी गई है।

पुणे शस्त्र लाइसेंस मामला

गृह राज्य मंत्री को मिला डीसीएम शिंदे का साथ

विरोधियों की चिंता मत करो, मैं यहां बैठा हूं : डीसीएम शिंदे

अमित बृज | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार के गृह राज्य मंत्री योगेश कदम इन दिनों विवादों में घिर गए हैं। पुणे के शस्त्र लाइसेंस मामले को लेकर विपक्ष लगातार सरकार पर निशाना साध रहा है। बताया जा रहा है कि सचिन घायवल को जारी किए गए हथियार के लाइसेंस में कदम की सिफारिश का जिक्र है। इसी वजह से विपक्ष उनके इस्तीफे की मांग कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, योगेश कदम ने शुक्रवार को डीसीएम एकनाथ शिंदे से उनके सरकारी आवास मुक्तागिरी पर मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच करीब 45 मिनट तक चर्चा हुई। कदम ने शिंदे को संबंधित दस्तावेज दिखाते हुए अपनी सफाई दी। शिंदे ने कदम को भरोसा दिलाया कि यदि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया है, तो विपक्ष से डरने की जरूरत नहीं, बल्कि उनकी भाषा में जवाब देना चाहिए।

एक घंटे के इंतजार के बाद हुई बातचीत

सूत्र बताते हैं कि कदम को डीसीएम शिंदे से मिलने के लिए एक घंटे से अधिक इंतजार करना पड़ा। मुलाकात दोपहर के भोजन के दौरान हुई, जिसमें शिंदे ने कदम से पूरी जानकारी ली। बैठक के दौरान डीसीएम ने स्पष्ट किया कि सरकार अपने मंत्रियों के साथ खड़ी है। उन्होंने कदम से कहा, "विरोधियों से डरने की जरूरत नहीं है, मैं यहां हूं।"

क्या है पूरा विवाद?

मामला पुणे के सचिन घायवल को जारी किए गए शस्त्र लाइसेंस से जुड़ा है। सचिन पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, फिर भी उसे हथियार का लाइसेंस मिल गया। आरोप है कि यह लाइसेंस योगेश कदम की सिफारिश पर जारी हुआ। इस बात को लेकर विपक्ष खासकर शिवसेना (उद्धव) के नेता अनिल परब कदम पर हमलावर हैं और उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

सीएम फडणवीस ने भी किया बचाव

इस मामले में सीएम देवेंद्र फडणवीस ने भी योगेश का बचाव किया है। नासिक दौरे पर आए सीएम देवेंद्र ने कहा कि सचिन के शस्त्र लाइसेंस नहीं दिया गया है। यह मामला गृह राज्यमंत्री कदम के संज्ञान में आया था। लेकिन पुलिस आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि लाइसेंस नहीं दिया गया है। इसलिए विपक्ष के आरोप बेबुनियाद हैं।

निजी अस्पतालों पर आर्थिक संकट की मार

निजी अस्पतालों का राज्य सरकार पर 182 करोड़ रुपए का बकाया

राज्यभर में 1,144 निजी अस्पताल प्रभावित

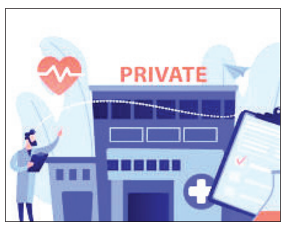

मुनीब चौरसिया | मुंबई

प्रदेश सरकार की प्रमुख स्वास्थ्य बीमा योजना महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना (एमजेपीजेएवाय) से जुड़े निजी अस्पताल इन दिनों गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। सरकार की ओर से करोड़ों रुपए का भुगतान लंबित होने के कारण अस्पतालों का संचालन प्रभावित हो रहा है। ऐसे में कई अस्पताल अब योजना के तहत गरीब मरीजों का इलाज करने से पीछे हट रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, राज्य के 1,792 अस्पताल इस योजना से पैनल में जुड़े हुए हैं, जिनमें 1,144 निजी अस्पताल शामिल हैं। लेकिन सरकार ने अब तक इन अस्पतालों को 182 करोड़ रुपए का भुगतान नहीं किया है। नतीजतन, प्रदेश के छोटे और मझोले शहरों में कई अस्पताल अब नए मरीजों को योजना के तहत भर्ती नहीं कर पा रहे हैं, जिससे गरीबों को इलाज में परेशानी हो रही है।

वर्ष के अंत तक बकाया निपटाने का आश्वासन

स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर ने स्वीकार किया कि तकनीकी कारणों से भुगतान में देरी हुई है। हालांकि, उन्होंने भरोसा दिलाया कि वर्ष के अंत तक सभी बकाया राशि का भुगतान कर दिया जाएगा। मंत्री ने यह भी घोषणा की कि अगले वर्ष से बिलों का निपटारा मासिक आधार पर किया जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न उत्पन्न हो। निजी अस्पतालों के संचालकों का कहना है कि सरकार की भुगतान प्रक्रिया बेहद धीमी और जटिल है। इससे अस्पतालों के नियमित संचालन और कर्मचारियों के वेतन भुगतान में दिक्कतें आ रही हैं।

खबर संक्षेप

मुंबई में खुला भारत का पहला महिलाओं के लिए मोबाइल बाथरूम

मुंबई। महिलाओं के लिए भारत के पहले आधुनिक और उच्च-गुणवत्ता वाले मोबाइल बाथरूम का उद्घाटन शुक्रवार को कांदिवली पूर्व में कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा और विधायक अतुल भातखलकर ने किया। इन बाथरूमों का निर्माण मंगल प्रभात लोढ़ा और मुंबई उपनगरीय जिले की जिला नियोजन समिति की संकल्पना के तहत किया गया है। यह मोबाइल बाथरूम कांदिवली विधानसभा क्षेत्र में 12 घंटे तक चालू रहेगा। लोढ़ा ने कहा कि झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाली महिलाओं को शौचालयों से लाभ होगा और इस प्रकार हम स्वच्छ भारत के निर्माण की दिशा में एक कदम आगे बढ़ रहे हैं। साथ ही, झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाली महिलाओं के लिए शौचालयों की समस्या बहुत कष्टदायक होती है।

100% फीस वृद्धि वाली याचिका पर 'सुप्रीम' सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (10 अक्तूबर) को दिल्ली सरकार और राष्ट्रीय राजधानी के गैर-सहायता प्राप्त निजी स्कूलों के एक निकाय से उस याचिका पर जवाब मांगा है, जिसमें शिक्षा निदेशालय की अनुमति के बिना 100 प्रतिशत फीस वृद्धि का आरोप लगाया गया है। याचिकाकर्ता नया समाज अभिभावक संघ के वकील ने शीर्ष अदालत को बताया कि स्कूलों को दिल्ली सरकार से रियायती दर पर इस शर्त पर जमीन मिली है कि किसी भी फीस वृद्धि के लिए शिक्षा निदेशालय (डीओई) की मंजूरी लेनी होगी।

30 दिन में 26 नक्सली खत्म

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की है कि मार्च 2026 तक देश के सभी हिस्सों से नक्सलवाद पूरी तरह खत्म हो जाएगा। 'सीआरपीएफ' और इसकी विशेष इकाई 'कोबरा', डीआरजी व राज्यों की पुलिस, नक्सलियों के खात्मे/सरेंडर कराने में लगी हैं। सितंबर माह के दौरान सुरक्षा बलों को इस मुहिम में बड़ी कामयाबी मिली है।

विधानमंडल सचिवालय में ई-ऑफिस प्रणाली लागू

- अब सभी नई फाइलें होंगी डिजिटल, भौतिक फाइलों पर लगी रोक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मंत्रालय के बाद अब महाराष्ट्र विधानमंडल सचिवालय में भी ई-ऑफिस प्रणाली पूरी तरह लागू कर दी गई है। सचिवालय के सभी दफ्तरों में अब से बनने वाली हर नई फाइल डिजिटल माध्यम से ही तैयार होगी। इस संबंध में विधानमंडल सचिवालय की ओर से परिपत्र जारी किया गया है। नई व्यवस्था के तहत अधिकारी और कर्मचारी अपने डिजिटल हस्ताक्षर (Digital Signature) का उपयोग करके फाइल तैयार और स्वीकृत कर सकेंगे।

फिजिकल फाइल पर रोक

परिपत्र के अनुसार अब कोई नई फिजिकल (भौतिक) फाइल तैयार नहीं की जा सकेगी। यदि किसी विशेष मामले में भौतिक फाइल की आवश्यकता पड़ी, तो उसके लिए संबंधित कक्ष के उपसचिव या सहसचिव से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। ई-ऑफिस प्रणाली के संचालन की जिम्मेदारी कक्ष अधिकारी पर होगी, जबकि निगरानी का काम सहसचिव, उपसचिव और अवर सचिव संभालेंगे। इससे फाइलों की ट्रैकिंग और समयबद्ध निस्तारण में सुविधा होगी।

मंत्रालय और क्षेत्रीय कार्यालय भी होंगे ऑनलाइन

अब मंत्रालय और क्षेत्रीय कार्यालयों से होने वाला पत्र व्यवहार और आधिकारिक कामकाज भी ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा। इससे भौतिक फाइलों के आदान-प्रदान में लगने वाला समय और संसाधन दोनों की बचत होगी। ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने से पहले, राज्य सूचना एवं प्रौद्योगिकी निदेशालय ने मई से अगस्त 2025 के बीच सचिवालय के सभी कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया था।

सीमा पार लॉन्च पैड पर 100 आतंकी मौजूद

- जम्मू-कश्मीर में छिपे 60 दहशतगर्दों में 40 विदेशी, 20 लोकल

एजेंसी | श्रीनगर

खुफिया एजेंसियों के मुताबिक जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में इस समय करीब 60 आतंकी सक्रिय हैं, जिनमें 40 पाकिस्तानी और 20 स्थानीय हैं। वहीं, पाकिस्तान के लॉन्चिंग पैड पर 100 से 120 आतंकियों की मौजूदगी बताई गई है, जो सर्दियों में बर्फबारी का फायदा उठाकर घुसपैठ करने की तैयारी कर रहे हैं। आने वाले दो-तीन महीने सुरक्षा बलों के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण माने जा रहे हैं।

शाह की उच्च-स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सर्दियों के दौरान आतंकवादी सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए सुरक्षा बलों को हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने आतंकवाद-मुक्त जम्मू-कश्मीर के लक्ष्य के प्रति केंद्र सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया।

अफगानिस्तान फ्रंट पर प्रशिक्षित आतंकी

सुरक्षा सूत्रों के अनुसार कई पाकिस्तानी आतंकियों को 'अफगानिस्तान फ्रंट' पर प्रशिक्षण मिला है। इनका नेटवर्क बेहद गहरा और पहुंच से बाहर है। जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकियों में से अधिकांश इसी प्रशिक्षण पृष्ठभूमि से आते हैं। स्थानीय सहयोग के चलते ये आतंकी सुरक्षा बलों को लंबे समय तक चकमा देने में सक्षम हो जाते हैं — यही सुरक्षा एजेंसियों के लिए सबसे बड़ी चिंता है।

बीएसएफ और सेना की सख्त चौकसी

बीएसएफ कश्मीर फ्रंटियर के महानिरीक्षक अशोक यादव के अनुसार, नियंत्रण रेखा (LoC) पर सेना और बीएसएफ की संयुक्त चौकसी के कारण हाल के महीनों में घुसपैठ की घटनाएं काफी कम हुई हैं। आधुनिक सर्विलांस सिस्टम, नाइट विजन उपकरण और ड्रोन निगरानी के माध्यम से सीमा पर नजर रखी जा रही है।

बड़ी मुठभेड़ों और शहादतों की याद

पिछले कुछ वर्षों में जम्मू-कश्मीर में कई बड़ी मुठभेड़ें हुई हैं, जिनमें कई जवानों ने शहादत दी। राजौरी की बाजीमाल मुठभेड़ में सेना के कैप्टन एमवी प्रांजल, कैप्टन शुभम और हवलदार माजिद शहीद हुए थे। वहीं, 2023 के कोकेरनाग एनकाउंटर में कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष और डीएसपी हुमायूं भट्ट ने बलिदान दिया।

नोबेल पुरस्कार | तानाशाही के खिलाफ संघर्ष को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान

मारिया कोरिना को मिला शांति का नोबेल

एजेंसी | वेनेजुएला

2025 के नोबेल शांति पुरस्कार का ऐलान हो गया है। वेनेजुएला की मारिया कोरिना मचाडो को इस बार के शांति पुरस्कार के लिए चुना गया है। उन्हें वेनेजुएला में लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने और तानाशाही से लोकतंत्र की ओर शांतिपूर्ण बदलाव लाने के लिए किए गए संघर्ष के चलते ये सम्मान मिला है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी कई देशों ने नामांकित किया था, लेकिन उन्हें पुरस्कार नहीं मिला है।

मारिया का चयन लाखों लोगों को प्रेरित करेगा

नोबेल समिति ने कहा, मारिया जीवन को गंभीर खतरा होने के बावजूद देश में बनी रहीं। उनका यह चुनाव लाखों लोगों को प्रेरित करने वाला है। लोकतंत्र उन लोगों पर निर्भर करता है जो चुप रहने से इनकार करते हैं, जो गंभीर जोखिम के बावजूद आगे बढ़ने का साहस करते हैं और जो हमें याद दिलाते हैं कि स्वतंत्रता को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए, बल्कि इसे शब्दों, साहस और दृढ़ संकल्प के साथ हमेशा सुरक्षित रखना चाहिए।

लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए मारिया को मिला पुरस्कार

नोबेल पुरस्कार का ऐलान करते हुए समिति के अध्यक्ष ने कहा कि नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने वेनेजुएला के लोगों के लिए लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए उनके अथक कार्य और तानाशाही से लोकतंत्र में न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण बदलाव प्राप्त करने के उनके संघर्ष के लिए मारिया मचाडो को 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार देने का निर्णय लिया है। समिति ने कहा कि वेनेजुएला में लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने में मारिया का अहम योगदान रहा है।

तानाशाही के खिलाफ एक महिला की जंग

मारिया कोरिना माचाडो का जन्म 7 अक्टूबर 1967 को काराकास में हुआ था। वह एक इंजीनियर हैं और काराकास के एंड्रेस बेलो कैथोलिक विश्वविद्यालय से स्नातक हैं। उन्होंने फाइनेंस में मास्टर्स की डिग्री भी प्राप्त की है। 2010 में वे नेशनल असेंबली के लिए चुनी गईं, जहां उन्होंने रिकॉर्ड वोट हासिल किए। 2014 में तत्कालीन शासन ने उन्हें पद से हटा दिया, लेकिन मचाडो ने विपक्षी पार्टी 'वेंते वेनेजुएला' की स्थापना की और 2017 में 'सॉय वेनेजुएला' गठबंधन का गठन किया, जो देश के प्रो-लोकतांत्रिक ताक़तों को एकजुट करता है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के शासन के खिलाफ मचाडो की लड़ाई दशकों पुरानी है। उन्होंने 2024 के राष्ट्रपति चुनावों में विपक्ष के उम्मीदवार के रूप में भाग लिया, लेकिन शासन द्वारा अयोग्य घोषित कर दी गईं। इसके बावजूद उन्होंने एडमुंडो गोंजालेज को समर्थन दिया, जिन्होंने चुनाव में 67% वोट हासिल किए।

अजित पवार ने छगन भुजबल को दिया झटका

- कोकाटे को बनाया नाशिक का संपर्क मंत्री
- पार्टी के फैसले से भुजबल हुए नाराज

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राकांपा (अजित पवार गुट) में बीते तीन दिनों से चल रही बैठकों के बाद पार्टी के भीतर नई सियासी हलचल शुरू हो गई है। पहले खुद अजित पवार की अपने ही मंत्री छगन भुजबल के प्रति नाराजगी की चर्चा रही, और अब खेल मंत्री माणिकराव कोकाटे को नाशिक, धुलिया और जलगांव जैसे तीन अहम जिलों का संपर्क मंत्री बनाए जाने के फैसले ने पार्टी के भीतर मतभेद की खबरों को हवा दे दी है। नाशिक भुजबल का गढ़ माना जाता है, ऐसे में उन्हें नजरअंदाज किया जाना राजनीतिक संकेतों से भरा माना जा रहा है।

कोकाटे को संगठन मजबूत करने की जिम्मेदारी

राकांपा (अजित) के वरिष्ठ नेता के मुताबिक, पार्टी ने माणिकराव कोकाटे को सिर्फ संपर्क मंत्री की भूमिका के लिए नहीं, बल्कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, गुटबाजी खत्म करने और प्रभावी उम्मीदवार तय करने जैसी अहम जिम्मेदारियां दी हैं। इसके अलावा, उन्हें तीनों जिलों में सरकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने और पार्टी की छवि सुधारने का भी टास्क मिला है।

वॉकी-टॉकी गिरोह पर कल्याण पुलिस का शिकंजा

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे जिले की कल्याण पुलिस ने नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंसेस एक्ट (NDPS) के तहत दर्ज एक मामले में 17 आरोपियों के खिलाफ महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत मामला दर्ज किया है। ठाणे पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में NDPS केस में मकोका के तहत यह पहली बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। पुलिस ने 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि 4 अब भी फरार हैं।
खड़कपाड़ा पुलिस थाने में जी.आर. नंबर 638/2025 के तहत मादक पदार्थ नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 8(क), 20(क), 29 और भारतीय शस्त्र अधिनियम की धारा 3 व 25 के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच उप पुलिस आयुक्त, जोन 3, कल्याण की विशेष टीम द्वारा की जा रही है। ये आरोपी गांजा तस्करी के दौरान आपसी संपर्क में रहने के लिए वॉकी-टॉकी का इस्तेमाल करते थे। इस गिरोह में एक महिला आरोपी भी शामिल है।

• 17 आरोपियों के खिलाफ मकोका के तहत मामला दर्ज

13 आरोपी गिरफ्तार, 4 आरोपी अभी भी फरार

कल्याण पुलिस ने एनडीपीएस मामले में की पहली बड़ी कार्रवाई

तीन साल से सक्रिय तस्करी रैकेट

पुलिस जांच में सामने आया कि यह गिरोह पिछले तीन वर्षों से गांजे की अवैध खरीद-बिक्री और आपूर्ति में लगा हुआ था। आरोपी ठाणे, कल्याण, बदलापुर, पुणे, सोलापुर से लेकर आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम तक सक्रिय थे। युवाओं को नशे का आदी बनाकर आर्थिक लाभ के लिए एक संगठित आपराधिक नेटवर्क चलाया जा रहा था।

एनडीपीएस अपराधों पर मकोका का दायरा

महाराष्ट्र सरकार ने 30 जुलाई 2025 को 'महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम, 1999' में संशोधन किया, जिसके तहत अब मादक पदार्थों से संबंधित अपराधों को भी मकोका के दायरे में शामिल किया गया है। चूँकि यह गिरोह आर्थिक लाभ के लिए संगठित अपराध कर रहा था, इसलिए 17 आरोपियों के खिलाफ मकोका की कठोर धाराएं लगाई गई हैं।

वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन

इस कार्रवाई का संचालन पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे, संयुक्त पुलिस आयुक्त ज्ञानेश्वर चव्हाण, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (पूर्वी क्षेत्रीय संभाग) संजय जाधव और उप पुलिस आयुक्त (जोन 3) अतुल झेंडे के मार्गदर्शन में किया गया। जांच की जिम्मेदारी सहायक पुलिस आयुक्त कल्याणजी घेटे को सौंपी गई है, जिनकी टीम गिरोह के फरार सदस्यों की तलाश में जुटी है।

जब्त सामग्री और संपत्ति का मूल्य

जांच के दौरान पुलिस ने 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 115 किलो गांजा, दो कारें, एक बुलेट, एक ऑटो रिक्शा, एक एक्टिवा, एक लोहे की पिस्तौल, दो जिंदा कारतूस, दो वॉकी-टॉकी सेट और चार्जर जब्त किए हैं। जब्त किए गए माल की कुल कीमत लगभग 70 लाख रुपए आंकी गई है। फिलहाल, चार फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

गिरोह का नेटवर्क और प्रमुख आरोपी

गिरोह का सरगना गुफरान हन्नान शेख (29), टिटवाला, कल्याण निवासी है। उसके साथ बाबर उस्मान शेख, सुनील राठौड़, आज़ाद अब्दुल शेख, शुभम उर्फ सोन्या भंडारी, आसिफ अहमद शेख, सोनू हबीब सैयद, प्रथमेश नलवाडे, रितेश गायकवाड़, अंबादास खामकर, आकाश भिटाडे, योगेश जोध और मुम्ब्रा निवासी महिला रेशमा अलाउद्दीन शेख सहित अन्य शामिल हैं। यह नेटवर्क ठाणे, पुणे और सोलापुर तक फैला हुआ था।

मध्य रेल की हार्बर लाइन पर रविवार को मेगा ब्लॉक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य रेल मुंबई मंडल ने रविवार, 12.10.2025 को कुर्ला और वाशी स्टेशनों के बीच अप और डाउन हार्बर लाइन पर विभिन्न इंजीनियरिंग और अनुरक्षण कार्यों के लिए मेगा ब्लॉक लगाने की घोषणा की है। यह मेगा ब्लॉक 11:10 बजे से 16:10 बजे तक चलेगा, जबकि सीएसएमटी और कल्याण स्टेशनों के बीच मुख्य लाइन पर कोई मेगा ब्लॉक नहीं रहेगा।

रद्द होने वाली सेवाएँ

ब्लॉक अवधि के दौरान सीएसएमटी से वाशी / बेलापुर / पनवेल की ओर जाने वाली डाउन हार्बर लाइन की लोकल सेवाएँ (10:34 बजे से 15:36 बजे) और पनवेल / बेलापुर / वाशी से सीएसएमटी मुंबई की ओर आने वाली अप हार्बर लाइन की लोकल सेवाएँ (10:17 बजे से 15:47 बजे) रद्द रहेंगी। इस दौरान विशेष उपनगरीय गाड़ियाँ सीएसएमटी – कुर्ला और पनवेल – वाशी खंडों में यात्रियों की सुविधा के लिए चलाई जाएंगी।

यात्रियों के लिए मार्गदर्शन

ब्लॉक अवधि में यात्री ठाणे – वाशी / नेरुल स्टेशनों के बीच 10:00 बजे से 18:00 बजे तक यात्रा कर सकेंगे। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि इस दौरान होने वाली असुविधा के लिए उनका सहयोग करें, क्योंकि यह मेगा ब्लॉक रेल संरचना के रख-रखाव और सुरक्षा के लिए आवश्यक है।

अवैध टिकटिंग गतिविधियों में शामिल लोगों के विरुद्ध कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य रेल की सतर्कता शाखा ने अवैध टिकटिंग गतिविधियों जैसे टिकटों का हस्तांतरण, दलाली, फर्जी पहचान पत्रों और नकली टिकटों पर लगातार निगरानी रखी है। जनवरी 2025 से मई 2025 तक ट्रैफिक सतर्कता टीम ने इन अनियमितताओं पर अंकुश लगाने के लिए विभिन्न स्थानों पर आठ निवारक जांचें कीं, ताकि यात्रियों के हित और रेलवे संचालन में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। इन जांचों में फरवरी 2025 में अंबरनाथ में 12,000 मूल्य के आठ अवैध टिकट और 13 आईआरसीटीसी आईडी जब्त किए गए, जबकि कोल्हापुर में चार दलाल 25,557 मूल्य के चार

टिकटों के साथ पकड़े गए। मार्च में पुणे में तीन दलाल 10,520 मूल्य के जेसीआर टिकटों के साथ पकड़े गए और एक आरक्षण लिपिक द्वारा सिस्टम के दुरुपयोग का मामला भी सामने आया। अप्रैल में दो यात्रियों को ट्रेन संख्या 11055 में फर्जी पहचान पत्रों और स्थानांतरित टिकटों के साथ पकड़ा गया और मई में ट्रेन संख्या 12741 में दो गैर-रेलवे कर्मचारी पीआरएस टिकटों पर यात्रा करते हुए पकड़े गए।

बड़ी दलाली रैकेट का भंडाफोड़

22 मई 2025 को मलकापुर में बड़े पैमाने पर दलाली रैकेट का खुलासा हुआ, जिसमें दो व्यक्तियों को 10.09 लाख मूल्य के 182 जेसीआर टिकटों के साथ पकड़ा गया। जांच में दलालों, आरक्षण लिपिक और आईपीएफ के बीच अनाधिकृत संबंध भी सामने आए। मध्य रेलवे का सतर्कता विभाग इस प्रकार की गतिविधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करता है और वास्तविक यात्रियों के हित में दलाली और अवैध टिकटिंग पर अंकुश लगाने के लिए प्रतिबद्ध है।

आखिरकार सील हुए घोड़बंदर के सभी आरएमसी प्लांट

विनय दूबे | भाईंदर

महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (MPCB) ने घोड़बंदर गांव में स्थित सभी 6 आरएमसी संयंत्रों को अस्थायी रूप से सील कर दिया है। यह कार्रवाई परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की शिकायत पर की गई, जिसमें ग्रामीणों द्वारा संयंत्रों से होने वाले प्रदूषण और आबोहवा पर इसके प्रभाव की गंभीर चिंता जताई गई थी।
बोर्ड ने चेतावनी दी है कि यदि आदेशों का पालन नहीं किया गया, तो पर्यावरण कानूनों के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। MPCB के ठाणे क्षेत्रीय अधिकारी किरण हसब्निस ने खतरनाक और अन्य अपशिष्ट (प्रबंधन एवं सीमापार संचलन) नियम, 2016, जल प्रदूषण (प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, 1974 और वायु प्रदूषण (प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के अंतर्गत तुरंत प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया। साथ ही एमबीएमसी

और अडाणी इलेक्ट्रिक के संबंधित विभागों को बिजली और पानी की आपूर्ति बंद करने का निर्देश दिया गया।

सील किए गए आरएमसी संयंत्र

- लाईम स्टोन – सर्वे नंबर 8
- ग्रेस सिमेंट्स – सर्वे नंबर 6/3
- सोनम बिल्डर्स – सर्वे नंबर 8

हिरकॉन इन्फ्रा

- राज ट्रान्सिट इन्फ्रा प्रा.ली. – शेड नंबर 32, डी.एस. पटेल कंपाउंड
- जे.व्ही.आय. एडवान्स टेक्निकल एल.एल.पी.

उल्लंघन में शामिल थे :

- परिसर में जल छिड़काव की अपर्याप्त व्यवस्था।
- 30 फीट की ऊंचाई के बजाय केवल 20 फीट ऊंचाई पर टिन की बैरिकेडिंग।
- ट्रांजिट मिक्सर वाहन के प्रवेश/निकास बिंदु पर स्वचालित दो-स्तरीय टायर धुलाई सुविधा का अभाव।
- ट्रांजिट मिक्सर धुलाई से उत्पन्न अपशिष्ट के लिए कंक्रीट गड्ढा उपलब्ध न होना।
- सीएएक्यूएमएस (सतत परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली) MPCB सर्वर से कनेक्ट नहीं होना।

स्थानीय प्रतिक्रिया और भविष्य की मांग

पूर्व नगर सेवक रोहित सुवर्णा ने बताया कि यह कार्रवाई खानापूर्ति के लिए की गई है और संयंत्रों को स्थायी रूप से बंद नहीं किया जाएगा। उन्होंने पर्यावरण मंत्रालय से अपील की कि सभी आरएमसी संयंत्रों को स्थायी रूप से बंद किया जाए और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए।परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि मीरा-भायंदर शहर के नागरिकों के स्वास्थ्य और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

'विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस' पर जागरूकता कार्यक्रम

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे सिविल अस्पताल में 10 अक्टूबर को 'विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ज़िला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलाश पवार ने मानसिक स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। डॉ. पवार ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य केवल एक चिकित्सा शब्द नहीं, बल्कि जीवन का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने बताया कि शारीरिक बीमारी में समाज तुरंत मदद करता है, जबकि मानसिक कष्ट को लेकर अभी भी समाज में झिझक, चुप्पी और कलंक है। इस वर्ष का विषय 'आपात स्थितियों में मानसिक

स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता' है। डॉ. पवार ने सुझाव दिया कि मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं केवल अस्पतालों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। प्रत्येक स्कूल, कार्यस्थल और ग्राम स्तर पर मानसिक विकास एवं परामर्श केंद्र होने चाहिए। मानसिक तनाव, अवसाद या आत्महत्या की प्रवृत्ति पर समय पर ध्यान देने से कई जानें बचाई जा सकती हैं। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ. धीरज महांगड़े, निवासी चिकित्सा अधिकारी डॉ. मृणाली राहुड़, मनोचिकित्सक डॉ. विजय तेली, डॉ. अर्चना पवार और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।2

ठाणे जिला स्वास्थ्य विभाग की पहल

ठाणे जिला स्वास्थ्य विभाग ने इस अवसर पर एक महीने का मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान शुरू किया। इसके अंतर्गत जिले के सरकारी अस्पतालों, स्कूलों, कॉलेजों, पुलिस थानों, अग्निशमन दस्तों और एनडीआरएफ टीमों में मानसिक स्वास्थ्य सत्र, कार्यशालाएँ, तनाव प्रबंधन कक्षाएं, निबंध प्रतियोगिताएँ और जागरूकता रैलियाँ आयोजित की जाएंगी। अस्पताल के मनोचिकित्सकों द्वारा मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण, मार्गदर्शन और परामर्श सत्र भी आयोजित किए जा रहे हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करके 'मानसिक स्वास्थ्य ही समाज की शक्ति है' संदेश को आगे बढ़ाएँ।

महाराष्ट्र सरकार डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती पर मनाएगी 'रीडिंग इंस्पिरेशन डे'

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती, 15 अक्टूबर को राज्यभर में 'रीडिंग इंस्पिरेशन डे' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इस पहल का उद्देश्य लोगों में पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना और मराठी भाषा के विकास, संरक्षण एवं प्रसार को प्रोत्साहित करना है। इस वर्ष अभियान का केंद्रीय विषय है – 'चलो एक कदम आगे बढ़ाएं, मराठी को ज्ञान की भाषा बनाएं'। इस दिन राज्य के सभी मंत्रालय, विभाग, अर्ध-सरकारी संस्थान, सरकारी बोर्ड, सार्वजनिक उपक्रम, आयुक्तालय और जिला कलेक्टर कार्यालयों में ऑनलाइन और ऑफलाइन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम केवल साहित्य तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, पर्यावरण, स्वास्थ्य, कंप्यूटर विज्ञान और अंतरिक्ष विज्ञान जैसे क्षेत्रों को भी शामिल किया जाएगा। युवाओं के लिए रोजगार उन्मुख गतिविधियों जैसे अनुवाद लेखन, पेशेवर लेखन, ई-बुक्स, स्व-प्रकाशन, ऑनलाइन पुस्तक बिक्री, कोड लेखन और शॉर्ट फिल्म/डॉक्यूमेंट्री लेखन पर सत्र आयोजित होंगे। इसके अलावा व्याख्यान, सेमिनार, समूह चर्चा, पठन सत्र और पुस्तक प्रदर्शनियां भी आयोजित की जाएंगी।

मराठी भाषा और संस्थाओं की भागीदारी

मराठी भाषा के अधिकतम उपयोग को बढ़ावा देने के लिए न्यायिक कार्य, सरकारी प्रशासन और मीडिया में मराठी के उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाले कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। इन कार्यक्रमों में महाराष्ट्र साहित्य परिषद, मराठवाड़ा साहित्य परिषद, विदर्भ साहित्य संघ, कोंकण मराठी साहित्य परिषद, दक्षिण महाराष्ट्र साहित्य सभा और मुंबई मराठी साहित्य संघ जैसी संस्थाओं का सहयोग लिया जाएगा। इसके अलावा पुस्तकालयों, कॉलेजों, तकनीकी और डिप्लोमा संस्थानों में भी पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मध्य रेल
डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग कार्य

ई निविदा सूचना क्र. एलसीएफ/डीआर/पीएसआई/497/2025/16 दिनांक 09.10.2025 उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण) दादर, तिलक ब्रिज के पास, पश्चिम रेलवे के प्लेटफॉर्म नंबर 5 के सामने, दादर (पश्चिम) मुंबई –400028, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये प्रतिष्ठीत ठेकोदारो से क्रिस वैबसाइट पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित की जाती हैः **1. कार्य का नाम तथा स्थानः** "मध्य रेलवे के मुंबई डिवीजन में कल्याण–कसारा तीसरी लाइन परियोजना के संबंध में, एलएसई के ठाकुरली छोर से कसारा एलएसई के इगतपुरी छोर तक आने वाली 110 केवी लाइन का अतिरिक्त सुरक्षा और कसारा टीएसएस के स्थानांतरण का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग।" **2. कार्य की अनुमानित लागतः** ₹ 2,88,90,351/– (दो करोड़ अट्ठासी लाख नब्बे हजार तीन सौ इक्यावन रुपये मात्र)। **3. जमा कराये जाने वाली बयाना राशिः** ₹ 2,94,500/– (दो लाख चौरानबे हजार पांच सौ रुपये मात्र) **4 कार्य पूर्ण करने का अवधिः** स्वीकृति पत्र जारी होने के दिन से छह महीना तक (मानसुन सहित)। **5. निविदा पप्रत्र की लागतः** 00 (शून्य) **6. ऑफर की वैधताः** निविदा खुलने के 60 दिन तक। **7. पूरी जानकारी के लिए वैबसाइट, नोटिस बोर्ड का स्थानः** निविदा सूचना और निविदा दस्तावेज क्रिस कि वैबसाइट पता **ireps.gov.in** से देखे जा सकते हैं। **8. निविदा भरने की तारीख तथा समयः** निविदा दस्तावेज ऑनलाइन दिनांक 31.10.2025 समय 15:00 बजे तक या पहले भरी जा सकती है। **9. निविदा खोलेने तारीख तथा समयः** निविदा इस कार्यालय मे 15:15 बजे दिनांक 31.10.2025 को खोली जाएगी। **नोटः**– संभावित निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि इलेक्ट्रॉनिक रूप से उनके प्रस्तावों को निविदा भरने से पहले, नियम और शर्तों, पात्रता मानदंड, ईएमडी और निविदा दस्तावेज की लागत जमा करने के तरीके के संबंध में निविदा विवरण के क्रिस के वेबसाइट **ireps.gov.in** का संदर्भ लेना चाहिए। 539

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

पटाखा विक्रेताओं पर कांग्रेस की सख्त कार्रवाई की मांग

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

दीपावली से पहले उल्हासनगर में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। शहर जिला कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि कई पटाखा विक्रेता विस्फोटक नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, जिससे नागरिकों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। कांग्रेस ने इन विक्रेताओं के खिलाफ तुरंत छापेमारी और कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

कांग्रेस ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

उल्हासनगर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष रोहित साल्वे ने ठाणे पुलिस आयुक्त, जोन-4 के डीसीपी और पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन (PESO), नवी मुंबई को इस संबंध में लिखित और ईमेल ज्ञापन भेजा है। साल्वे ने कहा कि उल्हासनगर महानगरपालिका सीमा — विशेषकर नेहरू चौक (उल्हासनगर-2) क्षेत्र — में अधिकांश पटाखा विक्रेता नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। नियमों के अनुसार तैयार पटाखों का स्टॉक 300 किलोग्राम से और चीनी पटाखों या फुलझड़ियों का स्टॉक 1200 किलोग्राम से अधिक नहीं होना चाहिए, लेकिन कई दुकानें इससे ज्यादा मात्रा में विस्फोटक सामग्री जमा कर रही हैं।

सुरक्षा को लेकर जताई गंभीर चिंता

साल्वे ने यह भी कहा कि कई विक्रेता बिना वैध PESO लाइसेंस (फॉर्म LE-5) के ही पटाखों का कारोबार कर रहे हैं। उल्हासनगर, थोक पटाखा व्यापार का प्रमुख केंद्र होने के कारण, ऐसे उल्लंघनों से बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। कई दुकानें तय समय से अधिक देर तक खुली रहती हैं और गोदामों की जगह सीधे दुकानों में भारी मात्रा में स्टॉक रखा जाता है। कांग्रेस ने प्रशासन से मांग की है कि तुरंत निरीक्षण और छापेमारी कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि किसी प्रकार की दुर्घटना होती है, तो उसकी पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

जल विभाग के ठेका कर्मचारियों का वेतन बकाया

• केलकर ने ठेकेदार की काली सूची की मांग की

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

खोपट स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में जल विभाग के लगभग 140 ठेका कर्मचारियों ने विधायक संजय केलकर से मुलाकात कर कई वर्षों से न्यूनतम वेतन न मिलने की शिकायत दर्ज कराई।
कर्मचारियों का कहना है कि मीटर रीडिंग और बिल वितरण जैसे काम करने के बावजूद मनपा द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन 32,000 के बजाय उन्हें केवल 12,000

प्रतिमाह और संविदा इंजीनियरों को केवल 15–17,000 दिए जा रहे हैं। इस मुद्दे पर केलकर ने ठेकेदार को काली सूची करने और कर्मचारियों के छीने हुए वेतन की वसूली तक उनका साथ देने का आश्वासन दिया।

जनहित और अन्य स्थानीय समस्याओं पर भी चर्चा

जनसेवक जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान नागरिकों ने बिल्डर धोखाधड़ी, SRA योजना के तहत बकाया किराया, सफाई कर्मियों के वारसिक अधिकार, पानी की कमी और शिक्षा जैसी स्थानीय समस्याएँ भी उठाई। परिवहन सदस्य विकास पाटिल, युवा मोर्चा के सूरज दलवी, भाजपा ठाणे उपाध्यक्ष महेश कदम तथा अन्य कार्यकर्ता कार्यक्रम में उपस्थित रहे। केलकर ने कहा कि गरीब निवासियों को खतरनाक इमारतों से जबरन बेदखल किए जाने के मामलों की भी जांच करवाई जाएगी और अधिकारियों तथा लाभान्वित तत्वों के समक्ष कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों और ठेकेदार की मिलीभगत का दावा

कर्मचारियों का आरोप है कि ठेकेदारों और कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से पिछले चार वर्षों से वेतन ग़ायब कर दिया जा रहा है और हर माह लाखों रुपयों का भुगतान सार्वजनिक धन से होते हुए भी कर्मचारियों तक नहीं पहुँचता। केलकर ने इस अनैतिक व्यवहार को आर्थिक शोषण बताते हुए कहा कि दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए और संबंधित ठेकेदारों पर मामला दर्ज कर उनके ऊपर जल्द कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जब तक कर्मचारियों का बकाया वेतन वापस नहीं मिलता, वे उनकी आवाज़ उठाते रहेंगे।

रिश्वत मामला: ठाणे के निगम आयुक्त एवं दो अन्य की जमानत याचिका खारिज

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महाराष्ट्र की एक स्थानीय अदालत ने ठाणे नगर निगम (टीएमसी) के उपायुक्त शंकर पटोले, डेटा ऑपरेटर ओमकार गायकर और तीसरे आरोपी सुशांत सुर्वे की जमानत याचिका खारिज कर दी। मामला 25 लाख रुपए की रिश्वत से जुड़ा है और तीनों आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। एसीबी (भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) ने 1 अक्टूबर को टीएमसी मुख्यालय में छापेमारी के दौरान शंकर पटोले और ओमकार गायकर को गिरफ्तार किया था। तीसरे आरोपी सुशांत सुर्वे ने दो दिन बाद आत्मसमर्पण किया। अदालत ने सरकारी वकील और एसीबी अधिकारियों की दलीलों को सुनने के बाद निष्कर्ष निकाला कि इस समय उन्हें जमानत नहीं दी जा सकती। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एस एस शिंदे ने कहा कि फिलहाल तीनों आरोपी न्यायिक हिरासत में ही रहेंगे।

किसानों को कर्जमाफी की लत लग गई : पाटिल

डीबीडी संवाददाता। मुंबई

महाराष्ट्र के सहकारिता मंत्री बाबासाहेब पाटिल के हालिया बयान से राज्य में नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। उनका बयान सामने आने के बाद साथी मंत्रियों ने ही उनके खिलाफ एक तरह से मोर्चा खोल दिया है और सावधानी के साथ बयान देने की सलाह दी है। वहीं, एक मंत्री ने तो यहां तक कह दिया कि इस बयान पर सीएम देवेंद्र फडणवीस और दोनों डिप्टी सीएम ध्यान देंगे। दरअसल, पाटिल ने कहा कि लोग कर्ज माफी के प्रति 'अति उत्साही' हो गए हैं, उन्हें इसकी लत लग गई है। साथ ही उन्होंने खुले तौर पर स्वीकार किया कि चुनाव जीतने के लिए राजनेता चुनावों के समय कई आश्वासन देते हैं। नेशनलिस्ट कॉन्ग्रेस पार्टी अजित पवार गुट से आने वाले पाटिल ने यह टिप्पणी एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान की। हालांकि, इस कार्यक्रम का समय और स्थान स्पष्ट नहीं हैं। उनके भाषण के कुछ अंश स्थानीय समाचार चैनलों पर प्रसारित किए जा रहे हैं।

'जनता को सोच-समझकर मांग करनी चाहिए'

मंत्री ने कहा, लोग कर्ज माफी के पीछे ज्यादा आकर्षित हो गए हैं। हम (राजनेता) चुनाव जीतना चाहते हैं, इसलिए चुनाव के समय आश्वासन देते हैं। लेकिन, यह जनता पर निर्भर करना चाहिए कि वे वास्तव में क्या मांगना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को समझदारी से तय करना चाहिए कि वे नेताओं से क्या मांगना चाहते हैं। पाटिल ने उदाहरण देते हुए कहा, चुनाव के समय एक नेता एक गांव में गया और लोगों ने कहा- 'हम उस नेता को वोट देंगे जो हमारे गांव में नदी लाएगा'। अब उन्हें यह सोचना चाहिए कि वे वास्तव में क्या मांग रहे हैं। नेता ने कहा- 'ठीक है, हम नदी भी लाएंगे'। इसलिए मैं कहता हूं कि जनता को सोच-समझकर मांग करनी चाहिए।

साथ मंत्रियों ने दी यह प्रतिक्रिया

उनके बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि किसी को भी कर्ज माफी जैसे संवेदनशील मुद्दे पर 'असावधान' बयान नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा, महायुति गठबंधन के चुनाव घोषणा पत्र में योग्य किसानों के लिए कर्ज माफी का स्पष्ट उल्लेख किया गया है, जिन्हें वास्तव में जरूरत है। उन्हें इसका लाभ मिलना चाहिए। कई किसान वर्षों से खेती कर रहे हैं, लेकिन वे अपने पूरे कर्ज का भुगतान नहीं कर पाए हैं। वहीं, शिवसेना से आने वाले मंत्री संजय शिरसाट ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने पहले ही निर्देश दे चुके हैं कि विवादास्पद बयान नहीं दिए जाएं। उन्होंने ने कहा कि मुख्यमंत्री निश्चित रूप से इस बयान पर ध्यान देंगे।

फसल नुकसान का सर्वे जारी

बावनकुले ने बताया कि राज्य में फसल नुकसान का सर्वेक्षण चल रहा है और उसके बाद उचित निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि कर्ज माफी महायुति सरकार की योजना का हिस्सा बनी रहेगी। गौरतलब है कि सितंबर में भारी बारिश और बाढ़ के कारण मराठवाड़ा और आसपास के क्षेत्रों में 68.69 लाख हेक्टेयर फसलें नष्ट हो गईं, जिससे लाखों किसान आर्थिक संकट में आ गए। राज्य सरकार ने इस संकट के मद्देनजर मंगलवार को प्रभावित किसानों के लिए 31,628 करोड़ रुपये का राहत पैकेज घोषित किया था। वहीं, विपक्षी पार्टियां भी राज्य में हुई फसल नुकसान के मद्देनजर किसानों के लिए कर्जमाफी की मांग कर रही हैं।

किफायती आवास के लिए कांग्रेस का अभियान

मुंबई की जमीनों की श्वेतपत्रिका जारी करने की मांग: हर्षवर्धन सपकाल

देवेंद्रनाथ जैसवार। मुंबई

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राज्य में बढ़ती आवासीय कीमतों और भूखंडों के मनमाने आवंटन के खिलाफ बड़ा कदम उठाते हुए 25 सामाजिक और श्रमिक संगठनों के साथ मिलकर "किफायती आवास अभियान" शुरू किया है। कांग्रेस ने मुंबई की जमीनों की श्वेतपत्रिका जारी करने और उद्योगपतियों को औने-पौने भाव में जमीन देने की प्रक्रिया पर तुरंत रोक लगाने की मांग की है।

हर्षवर्धन सपकाल का आरोप

गांधी भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि मुंबई में आम जनता के लिए घर खरीदना असंभव होता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा महायुती सरकार द्वारा मिलों की जमीनें उद्योगपतियों को सौंपना जनता के साथ अन्याय है। कांग्रेस सरकार के समय म्हाडा के माध्यम से चलाई गई किफायती आवास योजना और मिल मजदूरों को घर देने का निर्णय आम जनता के लिए राहतकारी था, लेकिन वर्तमान सरकार ने उस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

घर वितरण में भारी अंतर

सपकाल ने बताया कि मिल मजदूरों को 1 लाख 10 हजार घर देने का वादा किया गया था, जबकि अब तक केवल 15 हजार घर ही वितरित हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने नजदीकी उद्योगपति 'कंभोज' को मुंबई की जमीनें और एसआरए परियोजनाएं सौंप दी हैं। सपकाल ने कहा कि भाजपा सरकार मुंबई को बेचने में लगी है – धारावी से लेकर एयरपोर्ट और अन्य कीमती भूखंड तक पसंदीदा उद्योगपतियों को दे दिए जा रहे हैं। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर चर्चा और रणनीति तय करने के लिए रविवार, 12 अक्टूबर को दादर स्थित टिळक भवन में 'घर हक्क परिषद' आयोजित करने की घोषणा की है। इस परिषद में हर्षवर्धन सपकाल के साथ पूर्व सांसद कुमार केतकर, कांग्रेस अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुख विश्वास उटगी, तथा कई प्रमुख श्रमिक संगठन के नेता उपस्थित रहेंगे।

चुनाव और अन्य आरोप

सपकाल ने सहकार मंत्री बालासाहेब पाटिल के "कर्जमाफी की लत लग गई है" बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी और इसे "निर्लज्जता की पराकाष्ठा" बताया। आगामी स्थानीय स्वराज्य संस्था चुनावों को लेकर कांग्रेस ने राज्यभर में समीक्षा बैठकें पूरी कर ली हैं और उम्मीदवारों से आवेदन मंगवाए हैं। साथ ही उन्होंने भाजपा पर धार्मिक और जातिगत मुद्दों को चुनावी हथकंडा बनाने का भी आरोप लगाया।

बेकायदा हड़ताल के खिलाफ महावितरण की औद्योगिक न्यायालय में याचिका

सात संगठनों की संयुक्त क्रिया समिति ने वापस ली हड़ताल

डीबीडी संवाददाता। मुंबई

महावितरण ने मुंबई औद्योगिक न्यायालय में सात संगठनों की संयुक्त क्रिया समिति के खिलाफ याचिका दायर की, जिन्होंने 72 घंटे की बेकायदा हड़ताल की घोषणा की थी। याचिका का उद्देश्य सुलह प्रक्रिया के दौरान हड़ताल को रोकना और उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति में किसी प्रकार की बाधा से बचाना था।

हड़ताल के दौरान उपस्थिति का विवरण

हड़ताल के डेढ़ दिन में महावितरण, महापारेषण और महानिर्मिती में 62.56 प्रतिशत अभियंता, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे, जबकि 37.44 प्रतिशत कर्मचारी हड़ताल में शामिल हुए। संयुक्त क्रिया समिति ने महावितरण के पुनर्गठन और अन्य मांगों को लेकर हड़ताल की घोषणा की थी।

प्रबंधन और प्रशासन की पहल

हड़ताल टालने के लिए अपर मुख्य सचिव (ऊर्जा) आभा शुक्ला, महावितरण अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक लोकेश चंद्र, संचालक सचिन तालेवार और राजेंद्र पवार ने यूनियनों के साथ बैठकें की और मांगों के अनुसार रख अपनाया। प्रबंधन ने लिखित विवरण और हड़ताल न करने का अनुरोध पत्र भी यूनियनों को सौंपा।

कानून और राज्य की परिस्थितियां

राज्य इस समय अतिवृष्टि और बाढ़ की स्थिति से उबरने का प्रयास कर रहा है, और दीपावली पर्व भी निकट है। इस परिस्थितियों में हड़ताल टालकर नागरिकों को निरंतर बिजली सेवा देने का आग्रह महावितरण ने किया। औद्योगिक विवाद अधिनियम और महाराष्ट्र आवश्यक सेवा संरक्षण अधिनियम (MESMA) के तहत इस दौरान हड़ताल प्रतिबंधित थी।

संयुक्त क्रिया समिति ने हड़ताल वापस ली

गुरुवार (9 अक्टूबर) को हड़ताल शुरू करने के बावजूद, शुक्रवार (10 अक्टूबर) को औद्योगिक न्यायालय में सुनवाई शुरू होते ही संयुक्त क्रिया समिति ने घोषणा की कि वह 24 घंटे बाद हड़ताल वापस ले रही है। इस कदम से उपभोक्ताओं को बिजली सेवा में व्यवधान से राहत मिली और औद्योगिक शांति बनाए रखने में मदद मिली।

नागपुर में बनेगा विश्वस्तरीय 'कन्वेंशन सेंटर' : सीएम फडणवीस

मुंबई/नागपुर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की है कि नागपुर में सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक विश्वस्तरीय 'कन्वेंशन सेंटर' स्थापित किया जाएगा। शुक्रवार को मुंबई स्थित वर्षा निवास पर स्पेन की फिरा बार्सिलोना इंटरनेशनल कंपनी के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के दौरान इस परियोजना को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। बैठक में स्पेन के राजदूत जुआन एंटोनियो, कंपनी के सीईओ रिकार्डो जापाटेरो, परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय सेठी सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए भी होगा मंच

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि नागपुर में बनने वाला यह कन्वेंशन सेंटर केवल प्रदर्शनियों और व्यावसायिक कार्यक्रमों के लिए नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आयोजनों के लिए भी एक प्रमुख मंच बनेगा। उन्होंने निर्देश दिया कि सेंटर की संरचना ऐसी होनी चाहिए जिससे आगंतुकों को नागपुर के इतिहास और सांस्कृतिक विरासत की झलक मिल सके। उन्होंने इसे आकर्षक, तकनीकी रूप से उन्नत और पर्यावरण के अनुकूल इमारत के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

भारत-स्पेन संबंध होंगे और मजबूत

स्पेनिश राजदूत जुआन एंटोनियो ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्पेनिश प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के बीच मजबूत संबंधों से दोनों देशों के द्विपक्षीय रिश्ते और सुदृढ़ हो रहे हैं। उन्होंने भारत की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में प्रगति की सराहना की और कहा कि मुंबई न केवल भारत, बल्कि दक्षिण एशिया का भी 'पावरहाउस' बन रहा है। ऐसे में स्पेन, महाराष्ट्र के साथ मिलकर विकास की दिशा में काम करना चाहता है।

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी को लगा झटका

भाई और पूर्व पत्नी के खिलाफ मानहानि याचिका खारिज

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी की अपनी पत्नी अंजना पांडे और छोटे भाई शमसुद्दीन सिद्दीकी के खिलाफ दायर 100 करोड़ रुपए की मानहानि याचिका खारिज कर दी है। यह सुनवाई न्यायमूर्ति जितेंद्र जैन की एकल पीठ के समक्ष हुई।

सोशल मीडिया ब्लैकमेल का दावा और खारिजी

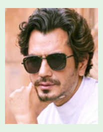

सिद्दीकी ने याचिका में यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने अपनी संपत्ति वापस मांगी, तो शमसुद्दीन और अंजना पांडे ने सोशल मीडिया पर अपमानजनक वीडियो और टिप्पणियों के जरिए ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। बॉम्बे हाई कोर्ट ने इन दावों को अस्वीकार करते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी।

याचिका का आधार और आरोप

नवाजुद्दीन ने याचिका में दावा किया था कि 2008 में उन्होंने अपने छोटे भाई शमसुद्दीन को मैनेजर नियुक्त किया और उन्हें ऑडिटिंग, आयकर रिटर्न दाखिल करना और जीएसटी भुगतान जैसी जिम्मेदारियाँ सौंपीं। इसके साथ ही उन्होंने अपने क्रेडिट/डेबिट कार्ड, एटीएम कार्ड, हस्ताक्षरित चेकबुक और बैंक पासवर्ड भी भाई को दिए। याचिका में आरोप लगाया गया कि शमसुद्दीन ने उनके साथ धोखाधड़ी की और अपने नाम पर संयुक्त संपत्तियाँ खरीदीं।

व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए सुनील शेट्टी की कोर्ट में याचिका

मुंबई। अभिनेता सुनील शेट्टी ने अपने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि कई सोशल मीडिया पेज और वेबसाइट उनकी छवि और नाम का व्यावसायिक इस्तेमाल कर रही हैं। न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की एकल पीठ ने इस मामले में सुनवाई पूरी कर ली है और फैसला सुरक्षित रख लिया है। शेट्टी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील बीरेंद्र सराफ ने अदालत में कहा कि अभिनेता की फर्जी तस्वीरें इंटरनेट पर अपलोड की जा रही हैं और उनका अनधिकृत व्यावसायिक इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने बताया कि एक रियल एस्टेट एजेंसी, एक ज्योतिष वेबसाइट और कई ऑनलाइन जुआ प्लेटफॉर्म उनकी तस्वीरों का उपयोग कर रहे हैं, जबकि शेट्टी का इनसे कोई संबंध नहीं है। अदालत अब इस मामले में जल्द ही अपना निर्णय सुनाएगी।

बिग बॉस फेम एजाज खान को अग्रिम जमानत

नई दिल्ली/मुंबई। दिल्ली हाईकोर्ट ने बिग बॉस फेम अभिनेता एजाज खान को अग्रिम जमानत दे दी है। यह मामला एक यूट्यूबर और उसके परिवार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत से जुड़ा है, जिसमें सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट किए जाने का आरोप लगाया गया था। साइबर पुलिस स्टेशन, दिल्ली ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी।

कोर्ट ने दी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर टिप्पणी

न्यायमूर्ति रविन्द्र डुडेजा की पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद-19 के तहत दी गई भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रयोग उसी सीमा में किया जाना चाहिए, जो कानून द्वारा निर्धारित उचित प्रतिबंधों के भीतर हो। जब कोई वक्तव्य अपमान या उकसावे की सीमा पार कर जाता है, तो वह दूसरों के गरिमा के अधिकार से टकराता है। कोर्ट ने एजाज खान को अग्रिम जमानत देते हुए शर्त रखी कि गिरफ्तारी की स्थिति में उन्हें 30 हजार रुपये का व्यक्तिगत बांड और उतनी ही राशि का जमानती पेश करना होगा।

वीडियो विवाद से जुड़ा है पूरा मामला

शिकायत में आरोप है कि शिकायतकर्ता का बेटा, जो एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर है, ने "A Day with Najayaz Khan" शीर्षक से लगभग 35 मिनट का वीडियो बनाया था। इस वीडियो में उसने एजाज खान की नकल करते हुए अभद्र भाषा, गालियों और अश्लील इशारों का प्रयोग किया। इसके जवाब में एजाज खान ने भी एक वीडियो पोस्ट किया, जिसे शिकायतकर्ता ने आपत्तिजनक बताया। इसी विवाद को लेकर यह मामला अदालत में पहुंचा था।

क्षेत्रीय रेल हिंदी नाट्योत्सव का आयोजन

मुंबई। दिनांक 06 से 08 अक्टूबर 2025 तक मध्य रेल सभागृह में राजभाषा विभाग द्वारा तीन दिवसीय हिंदी नाट्योत्सव का आयोजन किया गया। नाट्योत्सव का उद्घाटन मध्य रेल सांस्कृतिक अकादमी के अध्यक्ष श्री अरविंद मालखेड़े, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस आयोजन में 7 टीमों ने भाग लिया और विभिन्न नाटक प्रस्तुत किए।

प्रस्तुत किए गए नाटक और निर्णायक मंडल

नाट्योत्सव में प्रमुख प्रस्तुतियों में मुख्यालय सांस्कृतिक अकादमी का 'अबही हंसा चेत सबेरा', मुंबई मंडल का 'आधे-अधूरे', नागपुर मंडल का 'मोक्ष', सोलापुर मंडल का 'कौल (फैसला)', भुसावल मंडल का 'सपनों का मोबाइल', परेल कारखाना का 'महादान' और माटुंगा कारखाने का 'जानवर' शामिल थे, जबकि निर्णायक मंडल में सुप्रसिद्ध थियेटर कलाकार शैलेन्द्र कुमार गुहिया, युद्धवीर दहिया और पूजा मालवीय मौजूद थे।

पुरस्कार वितरण और समापन

निर्णायकों के निर्णय अनुसार मुंबई मंडल द्वारा प्रस्तुत नाटक 'आधे-अधूरे' को सर्वश्रेष्ठ नाटक घोषित किया गया। इसके निर्देशक संतोष वेरुलकर को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और स्वप्नाली संखे को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के रूप में चुना गया। महाप्रबंधक विजय कुमार ने सभी कलाकारों तथा हिंदी पखवाड़ा 2025 के प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और नकद पुरस्कार प्रदान किए। महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में कहा कि नाट्य कला भाषा के विकास के साथ आने वाली महत्वपूर्ण विधा है और मुंबई मंडल द्वारा प्रस्तुत 'आधे-अधूरे' नाटक अत्यंत उत्कृष्ट है। प्रमुख अधिकारियों में प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी चंद्र किशोर प्रसाद, अपर महाप्रबंधक प्रतीक गोस्वामी, मुंबई मंडल के मंडल रेल प्रबंधक हिरेश मीणा और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन उप महाप्रबंधक (राजभाषा) डॉ. विभावरी गोरे के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल
(महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण की एक क्षेत्रीय इकाई)
म्हाडा MHADA
दूरभाष संख्या: 022-66405250,ई-मेल: eee.east1@gmail.com
संदर्भ संख्या: EE/East/MSIB/etender/59/2025-26
ई-निविदा सूचना संख्या: 59
कार्यकारी अभियंता (पूर्व) प्रभाग, मुंबई स्लम सुधार बोर्ड, (म्हाडा की इकाई) कमरा क्रमांक 536, चतुर्थ तल, गृह निर्माण भवन, बांद्रा (पूर्व), मुंबई 400 051 फ़ोन नंबर (022) 66405251, संबंधित ठेकेदार वर्ग के पंजीकृत ठेकेदारों या किसी सरकारी/अर्ध-सरकारी संगठन से ऑनलाइन ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से बी1 (प्रतिशत दर) के रूप में 09 कार्यों के लिए खुली/नियमित ई-निविदा आमंत्रित कर रहा है। विस्तृत निविदा सूचना और निविदा दस्तावेज़ महाराष्ट्र सरकार के पोर्टल https://mahatenders.gov.in से उपलब्ध और डाउनलोड किए जा सकते हैं, बोली दस्तावेज़ वेबसाइट पर अपलोड किए जा सकते हैं। निविदा दस्तावेज़ों की बिक्री दिनांक 13/10/2025, सुबह 10:30 बजे से शुरू होकर 20/10/2025, शाम 6:15 बजे तक चलेगी। यदि कोई शुद्धिपत्र/संशोधन हो, तो उसे केवल https://mahatenders.gov.in वेबसाइट पर प्रकाशित किया जा सकता है। सक्षम प्राधिकारी बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। सशर्त प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएँगे।
Follow us:@mhadaofficial
सीपीआरओ/ए/782
हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (पूर्व),
एम.एस.आई.बी. बोर्ड, मुंबई
म्हाडा-राष्ट्र में अग्रणी आवास प्राधिकरण

ओबीसी को भड़काने की कोशिश न करें ठाकरे : बावनकुले

डीबीडी संवाददाता। मुंबई

महाराष्ट्र में ओबीसी आरक्षण को लेकर जारी आंदोलन के बीच राज्य के राजस्व मंत्री और मंत्रिमंडल ओबीसी उपसमिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार का आदेश केवल हैदराबाद गजट तक सीमित है, लेकिन कुछ लोग ओबीसी समाज में भ्रम फैलाकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

'महाविकास आघाडी सरकार ने छीना था आरक्षण'

बावनकुले ने विपक्ष, विशेष रूप से उद्धव ठाकरे गुट को घेरते हुए कहा कि ओबीसी आरक्षण खत्म करने का काम महाविकास आघाडी सरकार के कार्यकाल में हुआ था। उन्होंने कहा, "जब देवेंद्र फडणवीस की सरकार सत्ता में आई, तब ओबीसी समाज को फिर से 27% आरक्षण मिला। फडणवीस सरकार ने ओबीसी मंत्रालय बनाया और 'महाज्योति योजना' के तहत 67 नए हॉस्टल स्वीकृत किए।"

'उद्धव सरकार का रवैया निजामशाही जैसा'

राजस्व मंत्री ने कहा कि विपक्ष जब सत्ता में था, तब उसने ओबीसी समाज के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए, लेकिन अब आंदोलन के नाम पर केवल राजनीतिक नाटक किया जा रहा है। बावनकुले ने उद्धव ठाकरे सरकार की तुलना निजामशाही से करते हुए कहा कि उस समय की नीतियाँ ओबीसी समाज के हितों के खिलाफ थीं। बावनकुले ने ओबीसी समाज से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं, क्योंकि वर्तमान सरकार उनके अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

भारतीय स्टेट बैंक
MUM/RBO वर्ली 2025-26/01
निविदा आमंत्रण सूचना (एनआईटी)
भारतीय स्टेट बैंक के लिए पट्टे पर व्यावसायिक/कार्यालय परिसर की आवश्यकता
भारतीय स्टेट बैंक
भारतीय स्टेट बैंक नीचे उल्लिखित शाखाओं के लिए पट्टे पर परिसर प्राप्त करना चाहता है, जिसका क्षेत्रफल लगभग 2000-2500 वर्ग फुट +/-10% हो, अधिमानतः भूतल पर हो और मुख्य सड़क पर रणनीतिक रूप से स्थित हो, जिसमें सामने से अच्छी दृश्यता, पर्याप्त बिजली आपूर्ति और पार्किंग सुविधा हो। उपयुक्त परिसर के इच्छुक पक्ष क्षेत्रीय प्रबंधक (आरबीओआइ), क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय वर्ली, एलआईसी कॉम्प्लेक्स, चौथी मंजिल, जीवन सेवा एनेक्सी बिल्डिंग, एस.वी. को आवेदन कर सकते हैं। रोड, सांताक्रूज़ पश्चिम, मुंबई - 400054 पर नीचे दिए गए पते पर 15 दिनों के भीतर (विज्ञापन की तारीख और सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर) यानी 30.10.2025 को दोपहर 3.00 बजे या उससे पहले जमा कर दें।

क्र. सं.	शाखा का नाम	शाखा की स्थिति	वांछित स्थान	स्ट्रांग रूम सहित कार्पेट क्षेत्र की आवश्यकता (+/-10%)	लॉकर रूम, (कारपेट क्षेत्र)
1	कलिना शाखा (14914)	मौजूदा	कलिना-कुर्ला रोड, कलिना, सांताक्रूज़ पूर्व, मुंबई	2000-2500 वर्ग फुट	-
2	एसबीआई बांद्रा पश्चिम शाखा (50458)	मौजूदा	हिल रोड, बांद्रा पश्चिम, मुंबई	2000-2500 वर्ग फुट	-

केवल 30.10.2025 को अपराह्न 3:00 बजे तक प्राप्त प्रस्ताव ही स्वीकार किए जाएँगे। आवेदन "प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश/दिशानिर्देश" के अनुसार किया जाना चाहिए। **परिसर की पेशकश करने वाले एस्टेट एजेंटों को अपने प्रस्ताव पूर्ण विवरण के साथ मकान मालिकों के प्राधिकरण पत्रों के साथ प्रस्तुत करने होंगे। बैंक द्वारा कोई ब्रोकरेज नहीं दिया जाएगा।** भारतीय स्टेट बैंक बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। प्रोफार्मा और अन्य विवरण हमारी वेबसाइट @sbi.co.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं।
सभी प्रासंगिक दस्तावेजों के साथ पूर्ण रूप से सीलबंद लिफाफे में प्रस्ताव 30.10.2025 को कार्य समय के दौरान अपराह्न 3:00 बजे या उससे पहले नीचे दिए गए पते पर जमा किए जाने चाहिए। इन्हें अपराह्न 3:30 बजे खोला जाएगा। **उसी दिन यानी 30 अक्टूबर 2025 को। किसी भी प्रश्न के लिए कृपया हमसे 8976026123 पर संपर्क करें।**
क्षेत्रीय प्रबंधक (आरबीओ-I), भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय वर्ली, चौथी मंजिल, जीवन सेवा एनेक्सी बिल्डिंग, एलआईसी कॉम्प्लेक्स, एस.वी. रोड, सांताक्रूज़ पश्चिम, मुंबई-400054.

संपादकीय

सिरम कांड : निर्णायक सख़्ती ही एकमात्र समाधान है

मध्यप्रदेश में घटित सिरम त्रासदी ने पूरे देश को एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या हमारी औषधि व्यवस्था वास्तव में सुरक्षित है? अकेले इस एक राज्य में 25 मासूम बच्चों की मृत्यु केवल एक दूषित सिरम के कारण हो जाना किसी तकनीकी या प्रयोगशाला स्तर की त्रुटि नहीं, बल्कि एक गंभीर प्रशासनिक विफलता है। जीवन रक्षक दवाओं को लेकर जिस स्तर की सतर्कता, सख़्ती और निगरानी होनी चाहिए, उसमें भारी कमी उजागर हुई है। यह कोई पहली घटना नहीं है — और यही सबसे चिंता की बात है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र औषधि एवं अपराध नियंत्रण कार्यालय (यूएनओडीसी) की जुलाई 2025 की एक संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, पिछले लगभग 90 वर्षों में 25 से अधिक ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें दूषित औषधियों के कारण पूरी दुनिया में 1,300 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई है। इन घटनाओं में सर्वाधिक शिकार बच्चे बने हैं, और इनमें से अधिकांश मामले भारत, इंडोनेशिया, गाम्बिया, उज्बेकिस्तान जैसे निम्न और मध्यम आय वाले देशों से सामने आए हैं। इसका अर्थ यह है कि हमारी तरह की अर्थव्यवस्थाएं अब भी औषधि नियंत्रण के बुनियादी मानकों को लागू करने में असफल हैं। भारत, जो वैश्विक औषधि निर्माण का केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर है, वहां इस स्तर की लापरवाही हमारी अंतरराष्ट्रीय छवि को भी गंभीर रूप से नुकसान पहुँचा रही है। हाल ही में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने एक ही महीने में 185 औषधियों को ₹मानक के अनुरूप नहीं (एनएसक्यू) घोषित किया है, जो इस बात का संकेत है कि हमारी औषधि प्रणाली गुणवत्ता परीक्षण के मामले में संकट में है। इस संकट से निपटने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों में अब निर्णायक और कठोर कार्रवाई की आवश्यकता है। सबसे पहले, औषधि निर्माण में संलग्न सभी कंपनियों पर पूर्ण पारदर्शिता और नियमित निरीक्षण अनिवार्य होना चाहिए। जिस प्रकार खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) खाद्य उत्पादों पर सख़्त निगरानी रखता है, उसी प्रकार औषधियों के लिए भी एक समर्पित तंत्र होना चाहिए जो दोषियों पर लाइसेंस रद्द करने, भारी जुर्माने लगाने और आपराधिक कार्यवाही करने में सक्षम हो। इसके अतिरिक्त, हर औषधि निर्माण खेप की स्वतंत्र प्रयोगशाला से जांच अनिवार्य की जानी चाहिए। केवल कागज़ी नियमों से अब काम नहीं चलेगा। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, निम्न गुणवत्ता वाली औषधियों की वैश्विक हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से अधिक है — और भारत इसमें एक बड़ा योगदानकर्ता बनता जा रहा है। हमें यह मानना होगा कि स्वदेशी निर्माण को तब तक बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए जब तक उसकी गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरी न उतरे। साथ ही, सरकार को एक सार्वजनिक मंच विकसित करना चाहिए जहां वास्तविक समय में यह जानकारी उपलब्ध हो कि कौन-सी औषधियां या सिरम वापस मंगाई गई हैं (वापसी प्रक्रिया), किन कंपनियों पर कार्रवाई हो रही है, और आम लोगों को क्या सावधानियां बरतनी चाहिए। आम नागरिकों को इस विषय में जानकारी देना जितना आवश्यक है, उतना ही आवश्यक है कि स्वास्थ्यकर्मियों को औषधि-प्रयोग में पूर्ण सतर्कता और उचित प्रशिक्षण प्रदान किया जाए।

शख़्सियत | अमिताभ बच्चन

भारतीय सिनेमा के शहंशाह

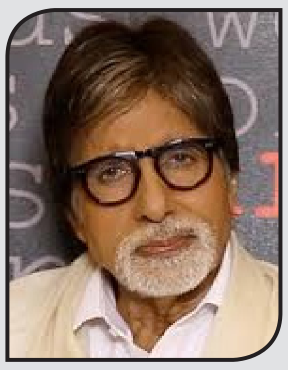

अमिताभ हरिवंश राय बच्चन (उर्फ़ श्रीवास्तव; जन्म 11 अक्टूबर 1942) एक भारतीय अभिनेता हैं जो हिंदी सिनेमा में काम करते हैं। उन्हें भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे महान, सबसे निपुण और व्यावसायिक रूप से सफल अभिनेताओं में से एक माना जाता है। पांच दशकों से अधिक के सिनेमाई करियर के साथ, उन्होंने 200 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है।

बच्चन का जन्म 11 अक्टूबर 1942 को इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में हिंदी कवि हरिवंश राय बच्चन और सामाजिक कार्यकर्ता तेजी बच्चन के घर हुआ था। हरिवंश राय बच्चन एक अवधी हिंदू कायस्थ थे, जो अवधी, हिंदी और उर्दू में पारंगत थे। हरिवंश के पूर्वज भारत में वर्तमान उत्तर प्रदेश राज्य के प्रतापगढ़ जिले के रानीगंज तहसील के बाबूपट्टी नामक गांव से आए थे। तेजी बच्चन लायलपुर, पंजाब, ब्रिटिश भारत (वर्तमान फैसलाबाद, पंजाब, पाकिस्तान) की एक पंजाबी सिख खत्री थीं। बच्चन का एक छोटा भाई अजिताभ है, जो उनसे पांच साल छोटा है।

1970-80 के दशक के दौरान भारतीय फिल्म उद्योग में उनके प्रभुत्व ने फ्रांसीसी निर्देशक फ्रांस्वा त्रुफो को इसे ₹वन-मैन इंडस्ट्री के रूप में वर्णित करने के लिए प्रेरित किया। वह छह राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और सोलह फिल्मफेयर पुरस्कारों सहित कई पुरस्कारों के प्राप्तकर्ता हैं।

बच्चन के माता-पिता शुरू में उनका नाम इंकलाब (हिंदुस्तानी में 'क्रांति') रखने वाले थे, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान प्रचलित वाक्यांश इंकलाब जिंदाबाद से प्रेरित था। अमिताभ नाम उनके पिता को कवि सुमित्रानंदन पंत ने सुझाया था। हालाँकि उनका उपनाम श्रीवास्तव था, अमिताभ के पिता, जिन्होंने जाति व्यवस्था का विरोध किया था, ने उपनाम 'बच्चन' (बोलचाल की हिंदी में 'बच्चे जैसा') अपना लिया था, जिसके तहत उन्होंने अपनी सभी रचनाएँ प्रकाशित कीं। जब उनके पिता उन्हें एक स्कूल में दाखिला दिलाने के लिए देख रहे थे, तो उन्होंने और बच्चन की माँ ने फैसला किया कि परिवार का नाम श्रीवास्तव के बजाय बच्चन होना चाहिए। यही नाम आगे चलकर अमिताभ के फिल्मी करियर का स्थायी हिस्सा बन गया और बच्चन परिवार का उपनाम बन गया। बच्चन के पिता का निधन 2003 में हुआ, और उनकी माँ का 2007 में।

बच्चन की माध्यमिक शिक्षा इलाहाबाद में बॉयज़ हाई स्कूल और कॉलेज तथा नैनीताल के शेरवुड कॉलेज में हुई। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज से 1962 में विज्ञान स्नातक की उपाधि प्राप्त की। जब बच्चन ने अपनी पढ़ाई पूरी की, तो उनके पिता ने पृथ्वी थिएटर के संस्थापक और कपूर अभिनय परिवार के पितामह पृथ्वीराज कपूर से संपर्क किया, यह देखने के लिए कि क्या उनके लिए कोई अवसर है, लेकिन कपूर ने कोई प्रोत्साहन नहीं दिया।

बच्चन अभिनेता बनने से पहले राजीव गांधी और संजय गांधी के मित्र थे। जब वह नई दिल्ली में रहते थे तो वह उनके साथ समय बिताते थे। बच्चन का परिवार नेहरू-गांधी परिवार के बहुत करीब था। जब सोनिया गांधी अपनी शादी से पहले इटली से पहली बार भारत आईं, तो बच्चन ने 13 जनवरी 1968 को पालम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया था। राजीव से शादी से पहले उन्होंने बच्चन के घर पर उनके माता-पिता के साथ 48 दिन बिताए थे।

1960 के दशक के अंत में, बच्चन ने दिल्ली में ऑल इंडिया रेडियो के लिए एक न्यूज़रीडर बनने के लिए आवेदन किया, लेकिन ऑडिशन में असफल रहे। बाद में वह कोलकाता (कलकत्ता) में बर्ड एंड कंपनी के लिए एक बिजनेस एक्जीक्यूटिव बन गए और फिल्मी करियर शुरू करने से पहले उन्होंने थिएटर में काम किया। ऐसा माना जाता है कि उनकी माँ का उनके करियर के चुनाव पर कुछ प्रभाव रहा होगा, क्योंकि वह हमेशा इस बात पर ज़ोर देती थीं कि उन्हें केंद्र में रहना चाहिए।

भारत-ब्रिटेन समझौता: व्यापार से विश्वास तक का नया अध्याय

धीरज सिंह
स्वतंत्र पत्रकार

भारत और यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन) के बीच जुलाई 2025 में हुआ मुक्त व्यापार समझौता (FTA) भारत की वैश्विक आर्थिक रणनीति का एक बड़ा कदम माना जा रहा है। यह समझौता न केवल आर्थिक दृष्टि से ऐतिहासिक है, बल्कि यह भारत-ब्रिटेन के रिश्तों में पारस्परिक विश्वास, रणनीतिक साझेदारी और दीर्घकालिक सहयोग की नींव को और भी मजबूत करता है। यह करार ऐसे समय में हुआ है जब वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी, आपूर्ति श्रृंखला संकट और व्यापारिक संरक्षणवाद जैसी चुनौतियों से जूझ रही है। ऐसे में यह समझौता भारत के लिए नए अवसरों के साथ आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध हो सकता है।

राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य: लाभ और सुधार की संभावनाएं

इस समझौते के तहत कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। 10,000 से अधिक उत्पादों पर आयात शुल्क घटेगा या समाप्त होगा। भारतीय वस्त्र, चमड़ा, रत्न-आभूषण, औषधि और इंजीनियरिंग वस्तुओं को ब्रिटेन में टैक्स-फ्री एंट्री मिलेगी। वहीं ब्रिटिश उत्पादों जैसे स्कॉच व्हिस्की, ऑटोमोबाइल, उच्च शिक्षा सेवाओं और प्रौद्योगिकी उत्पादों को भारत में सरल प्रवेश मिलेगा। इस समझौते से भारत के निर्यात में 35% तक की संभावित वृद्धि और लगभग 50 लाख नए रोजगार सृजन की संभावना जताई जा रही है। इसके अलावा, यह भारत को यूरोपीय बाज़ारों में एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा।

राज्य-स्तर पर प्रभावः स्थानीय उदाहरण

1.तमिलनाडु और महाराष्ट्र – ऑटोमोबाइल एवं औद्योगिक हब

ब्रिटेन के साथ वाहनों के आयात शुल्क में छूट से विदेशी कंपनियों का रुझान भारत में निर्माण संयंत्र लगाने की ओर बढ़ेगा। चेन्नई, पुणे और साणंद जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में निवेश, रोजगार और कौशल विकास के अवसर बढ़ेंगे। यह मेक इन इंडिया को वैश्विक पहचान देने में सहायक होगा।

2. गुजरात – रत्न एवं आभूषण उद्योग

सूरत जैसे शहर, जो विश्व के सबसे बड़े हीरा तराशने वाले केंद्र हैं, अब ब्रिटेन में बिना शुल्क के हीरे और आभूषण निर्यात करके भारी लाभ प्राप्त कर सकेंगे। इससे गुजरात के MSME सेक्टर को सशक्त बाज़ार मिलेगा, जिससे स्थानीय उद्योगों में प्रतिस्पर्धा, नवाचार और उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी।

3. पंजाब और हिमाचल प्रदेश - कृषि उत्पादों की सुरक्षा

भारत ने इस समझौते में डेयरी, सेब और गेहूं जैसे उत्पादों को "संवेदनशील" श्रेणी में रखा है। इससे पंजाब और हिमाचल जैसे राज्यों के किसानों को ब्रिटिश कृषि उत्पादों से कोई सीधा खतरा नहीं होगा। यह स्थानीय कृषि को संतुलित और आत्मनिर्भर बनाए रखने की दिशा में नीतिगत जीत है।

4. उत्तर प्रदेश और बिहार - वस्त्र और चमड़ा उद्योग

कानपुर, आगरा, बनारस और भागलपुर जैसे शहरों के वस्त्र, सिल्क और चमड़ा उद्योग को ब्रिटिश बाज़ार में टैक्स-फ्री निर्यात की सुविधा से नई ऊर्जा मिलेगी। इससे न केवल स्थानीय कारीगरों और छोटे उद्यमियों की आमदनी बढ़ेगी, बल्कि महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे।

शिक्षा, प्रौद्योगिकी और युवा रोजगार

भारत-ब्रिटेन समझौते का एक अहम आयाम शिक्षा, नवाचार और युवाओं की गतिशीलता (mobility) से जुड़ा है। दोनों देश उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच आपसी डिग्री मान्यता, रिसर्च सहयोग और स्टूडेंट एक्सचेंज कार्यक्रमों को आगे बढ़ा रहे हैं। भारतीय छात्रों के लिए वीज़ा प्रक्रिया सरल होगी, जिससे प्रतिभाशाली युवाओं को वैश्विक exposure मिलेगा। विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), हरित ऊर्जा, साइबर सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। इससे IITs, IISERs और अन्य विश्वविद्यालयों को अंतरराष्ट्रीय शोध में सहयोग और फंडिंग के अवसर मिलेंगे।

ब्रिटेन की टेक कंपनियां भी भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में निवेश करने के लिए उत्सुक हैं। इससे रोजगार सृजन, कौशल प्रशिक्षण और नवाचार-आधारित उद्योगों में तेजी आएगी। यह भारतीय युवाओं को वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धी बनाएगा।

चुनौतियाँ और नीतिगत ज़रूरतें

हालाँकि यह समझौता अवसरों का द्वार खोलता है, लेकिन कुछ चुनौतियाँ भी मौजूद हैं। किसानों और कारीगरों की सुरक्षाः विदेशी आयात से घरेलू उत्पादन प्रभावित न हो, इसके लिए सरकार को स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन और सुरक्षा देनी होगी।

मूल्य-नियंत्रण और पारदर्शिताः विदेशी वस्तुओं की बढ़ती उपलब्धता से घरेलू ब्रांडों पर दबाव पड़ सकता है, इसलिए मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता और निगरानी तंत्र मज़बूत करना आवश्यक होगा।

बुनियादी ढाँचे का विस्तारः निर्यात बढ़ाने के लिए बंदरगाहों, सड़कों, गोदामों और डिजिटल लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को और विकसित करना होगा ताकि भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अग्रणी भूमिका निभा सके।

निष्कर्षः साझेदारी का नया दौर

भारत-ब्रिटेन समझौता केवल व्यापार की बात नहीं करता, यह दो लोकतांत्रिक देशों के बीच बढ़ते विश्वास और समान मूल्यों की साझेदारी का प्रतीक है। यह एक ऐसे रिश्ते की पुनर्रचना है जिसमें आर्थिक हितों के साथ-साथ सांस्कृतिक और शैक्षणिक सहयोग भी शामिल है। भारत ने इस करार में अपने राष्ट्रीय हितों, स्थानीय आवश्यकताओं और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का संतुलन कायम रखते हुए एक परिपक्व वैश्विक खिलाड़ी के रूप में अपनी भूमिका मजबूत की है।

आज जब दुनिया संरक्षणवाद और अस्थिर आपूर्ति श्रृंखलाओं की चुनौतियों से गुजर रही है, तब भारत-ब्रिटेन जैसा मुक्त, न्यायसंगत और दूरदर्शी समझौता वैश्विक उदाहरण बन सकता है। यह समझौता न केवल व्यापार, बल्कि विश्वास, नवाचार और साझा समृद्धि के एक नए युग की शुरुआत है — जिसमें भारत का हर राज्य, हर उद्यमी और हर युवा भागीदार है। यह वास्तव में "विश्वगुरु भारत" की दिशा में एक ठोस कदम है।

जीवन मंत्र

जीवन सही चीज़ें करने और आगे बढ़ने के बारे में है

सही चीजें करने का मतलब केवल नैतिक रूप से उचित कार्य करना नहीं है, बल्कि अपने कर्तव्यों, मूल्यों और आत्म-सम्मान के प्रति ईमानदार रहना भी है। जब व्यक्ति अपने सिद्धांतों पर अडिग रहकर निर्णय लेता है, तभी उसका जीवन सार्थक बनता है।

जीवन सही चीज़ें करने और आगे बढ़ने के बारे में है" यह वाक्य हमें जीवन के वास्तविक अर्थ और दिशा का बोध कराता है। जीवन में हर व्यक्ति अनेक चुनौतियों, अवसरों और परिस्थितियों से गुजरता है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि हम यह समझें कि हमारा हर निर्णय, हर कदम हमारे जीवन की दिशा तय करता है। सही चीज़ें करने का मतलब केवल नैतिक रूप से उचित कार्य करना नहीं है, बल्कि अपने कर्तव्यों, मूल्यों और आत्म-सम्मान के प्रति ईमानदार रहना भी है। जब व्यक्ति अपने सिद्धांतों पर अडिग रहकर निर्णय लेता है, तभी उसका जीवन सार्थक बनता है। जीवन में आगे बढ़ने का अर्थ केवल भौतिक या बाहरी प्रगति तक

सीमित नहीं है। यह आत्मिक, मानसिक और भावनात्मक विकास से भी जुड़ा हुआ है। जब हम अपने भीतर की कमज़ोरियों, भय और असफलताओं से ऊपर उठना सीखते हैं, तभी वास्तविक अर्थों में आगे बढ़ना संभव होता है। आगे बढ़ना यह नहीं कि हम कभी गिरेंगे नहीं, बल्कि यह कि हम हर बार गिरकर फिर उठना सीखें। यह निरंतर प्रयास ही जीवन की सबसे बड़ी सफलता है। सही चीज़ें करना और आगे बढ़ना एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। जब हम सही कार्य करते हैं, तो हमारे भीतर आत्मसंतोष और आत्मविश्वास बढ़ता है। यह आत्मविश्वास हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। गलत मार्ग चुनने से भले ही क्षणिक लाभ मिल जाए, लेकिन अंततः वह हमारे विकास और शांति में बाधा डालता है। इसलिए सही दिशा में कार्य करना और उस दिशा में निरंतर प्रगति करना ही सफलता का मूलमंत्र है।

जीवन में कई बार हमें कठिन निर्णय लेने पड़ते हैं — ऐसे निर्णय जो तुरंत लाभ नहीं देते, परंतु दीर्घकाल में हमारे व्यक्तित्व और चरित्र को मजबूत बनाते हैं। यही वे क्षण होते हैं जब व्यक्ति की परीक्षा होती है। जो लोग इन क्षणों में सही का साथ देते हैं, वही वास्तविक रूप से आगे बढ़ते हैं। उनकी प्रगति केवल बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक भी होती है।

अंततः, "जीवन सही चीज़ें करने और आगे बढ़ने के बारे में है" यह संदेश हमें यह सिखाता है कि सफलता का अर्थ केवल मंज़िल तक पहुँचना नहीं है, बल्कि सही मार्ग पर चलते हुए निरंतर आगे बढ़ते रहना है। जब हम अपने कर्मों में सच्चाई, ईमानदारी और निष्ठा रखते हैं, तो हमारा हर कदम हमें न केवल बाहरी उपलब्धियों की ओर, बल्कि आत्मिक शांति और संतुलन की ओर भी ले जाता है। यही जीवन का वास्तविक उद्देश्य है — सही कार्य करना और निरंतर आगे बढ़ते रहना।

जीवन ऊर्जा

जयप्रकाश नारायण : जन्म - 11 अक्टूबर 1902 | जन्म

शांति के बिना लोकतंत्र सुरक्षित और मज़बूत नहीं हो सकता

जयप्रकाश नारायण श्रीवास्तव (11 अक्टूबर 1902 - 8 अक्टूबर 1979), जिन्हें जेपी और लोकनायक (हिंदी में जनता के नेता) के नाम से भी जाना जाता है, एक भारतीय राजनीतिज्ञ, सिद्धांतकार और स्वतंत्रता सेनानी। उन्हें मुख्य रूप से 1970 के दशक के मध्य में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और संपूर्ण क्रांतिभारत रत्न से सम्मानित किया गया।

लोकतंत्र की बुनियाद जनता की भागीदारी, समानता और स्वतंत्रता पर टिकी होती है। परंतु इन मूल्यों का स्थायित्व तभी संभव है जब समाज में शांति और स्थिरता हो। यदि समाज में अशांति, हिंसा या अराजकता का वातावरण बनेगा, तो लोकतंत्र के आदर्श केवल कागज़ों तक सीमित रह जाएंगे। शांति नागरिकों को विचार करने, संवाद करने और अपने मताधिकार का सही प्रयोग करने का अवसर देती है। जब देश में शांति होती है, तब संस्थाएँ सुदृढ़ रहती हैं, न्याय प्रणाली निष्पक्ष रूप से काम करती है, और नागरिकों को अपने अधिकारों की रक्षा का भरोसा मिलता है। इस प्रकार, शांति लोकतंत्र की आत्मा है, जो उसे निरंतर जीवित रखती है।

जब समाज में असंतोष, विद्रोह या हिंसा फैलती है, तब लोकतांत्रिक ढाँचा कमजोर पड़ जाता है। विरोध और मतभेद लोकतंत्र की पहचान हैं, लेकिन जब ये हिंसक रूप ले लेते हैं, तो संवाद की जगह संदेह और संघर्ष ले लेता है। लोकतंत्र में असहमति का सम्मान आवश्यक है, परंतु यह सम्मान तभी संभव है जब नागरिक शांतिपूर्ण तरीक़े से अपनी बात कहें। शांति के अभाव में न्यायपालिका, चुनाव आयोग और मीडिया जैसी लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव बढ़ता है और उनका स्वतंत्र अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। इसीलिए कहा गया है कि शांति ही वह आधार है जिस पर लोकतंत्र की इमारत खड़ी रहती है।

शांति केवल बाहरी स्थिति नहीं होती, बल्कि यह नागरिकों के भीतर भी बसती है। जब व्यक्ति के मन में विश्वास, सहिष्णुता और करुणा होती है, तभी वह लोकतंत्र के मूल्यों को समझ सकता है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

प्रेम बनाम ज्ञान : वृंदावन की शिक्षा

श्रीकृष्ण की लीलाओं में उद्धव-गोपियों का संवाद एक अत्यंत गूढ़, भावपूर्ण और जीवनदर्शन से परिपूर्ण प्रसंग है। यह कथा केवल भक्ति की नहीं, बल्कि जीवन में प्रेम की सर्वोच्चता का भी प्रतीक है। जब उद्धव, जो स्वयं ज्ञान और तर्क के प्रतीक माने जाते हैं, वृंदावन पहुँचे तो वे गोपियों को "ज्ञान" का उपदेश देने आए थे। वे उन्हें यह समझाना चाहते थे कि कृष्ण अब द्वारका में हैं, वे सर्वव्यापी हैं, अतः उनके बिना भी जीवन संभव है। परन्तु वे यह भूल गए कि वृंदावन की गोपियाँ भौतिक प्रेम में नहीं, बल्कि निष्काम भक्ति के रस में डूबी हुई थीं। उद्धव ने जब अपने शुष्क तर्कों के माध्यम से गोपियों को ज्ञान सिखाने का प्रयास किया, तब गोपियों ने उन्हें प्रेम का वह स्वरूप दिखाया जो किसी भी शास्त्र या तर्क से परे था। उन्होंने कहा — "ज्ञान ध्यान विद्या मती, मत बिस्वास बिबेक। बिना प्रेम सब धूरि है, अग जग एक अनेक।। अर्थात बिना प्रेम के सारा ज्ञान, सारी विद्या और सारा विवेक केवल धूल समान है। उद्धव, जो स्वयं योगी और ज्ञानी थे, उस क्षण अपने समस्त ज्ञान को व्यर्थ पाते हैं। वे देख रहे थे कि गोपियाँ तर्क या उपदेश की भाषा नहीं जानतीं, वे तो भाव की भाषा जानती हैं।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो। नं। 9425980556

जब उद्धव वापस लौटे, तो उनके हाथों में कोई शास्त्र नहीं था, बल्कि वृंदावन की माटी थी। वे उस माटी को बार-बार अपने सिर पर लगाते और आँसुओं से भीगते जाते। उस माटी में उन्हें वह प्रेम मिला जिसे पाने के लिए वे ज्ञान के मार्ग पर चले थे, पर जो ज्ञान से नहीं — केवल प्रेम और समर्पण से प्राप्त होता है। उद्धव को अनुभव हुआ कि प्रेम वह शक्ति है जो ईश्वर को भी बांध सकती है — जैसे यशोदा माँ ने कृष्ण को अपने स्नेह से बाँध लिया था।

कृष्ण स्वयं भी इस बात का उदाहरण हैं कि प्रेम ही परम तत्व है। जब उन्होंने अर्जुन को ज्ञान दिया, तब पहले उसे "सखा" और

"प्रिय" कहकर संबोधित किया। उन्होंने दिखाया कि ज्ञान तभी सार्थक है जब उसके मूल में प्रेम और आत्मीयता हो। माँ यशोदा को जब उन्होंने अपना विश्वरूप दिखाया, तब भी वह रूप उस मातृप्रेम के आगे फीका पड़ गया। यह प्रेम ही है जो ज्ञान को जीवनदायिनी शक्ति देता है, अन्यथा ज्ञान केवल अहंकार और शुष्कता बनकर रह जाता है।

उद्धव-गोपियों का संवाद आज भी हर उस व्यक्ति के लिए दर्पण है जो केवल तर्क और बौद्धिकता में जीवन का सार ढूँढता है। यह कथा सिखाती है कि प्रेम के बिना ज्ञान विष है, क्योंकि वह मनुष्य को जीवन से जोड़ने के बजाय उससे दूर कर देता है। प्रेम ही वह मधुर तत्व है जो ज्ञान को रस देता है, जो शब्दों को अर्थ देता है, और जो मनुष्य को ईश्वर से जोड़ता है। जब हम प्रेम करते हैं, तो शब्दों की सीमाएँ समाप्त हो जाती हैं — हम केवल भाव के स्तर पर संवाद करते हैं। यही वह स्थिति है जिसे गोपियाँ प्राप्त कर चुकी थीं, और जिसे उद्धव अनुभव करने का प्रयास करते हुए अंततः प्रेम में डूब गए।

इसलिए कहा गया है — उद्धव-गोपियों का संवाद केवल धार्मिक प्रसंग नहीं, बल्कि एक जीवन का पाठ है। यह सिखाता है कि तर्क-वितर्क में उलझा मन कभी भी परम सत्य का अनुभव नहीं कर सकता। केवल प्रेम, समर्पण और भाव से ही हम उस दिव्यता को स्पर्श कर सकते हैं जिसे ज्ञान पाने की कोशिश करता है। प्रेम ही भक्ति का मूल है, और वही जीवन की अंतिम सार्थकता है।

अपने विचार

संविधान हमारी संजीवनी है। समाजवादी लोगों ने हमेशा कहा है कि संविधान को बचाना हमारा कर्तव्य है। आज आरक्षण के अधिकार को कमजोर करने की साजिशें रची जा रही हैं, ऐसे किसी भी षड्यंत्र को सफल नहीं होने देंगे।

-**अखिलेश यादव**, अध्यक्ष,सपा

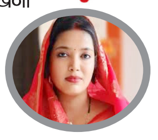

मैं यहां टिकट मांगने नहीं आई हूं। मैं सिर्फ मिलकर अपनी बात रखना चाहती थी। मेरे साथ जो हुआ, वह किसी और महिला के साथ न हो, यही मेरी कोशिश है। मैं उन तमाम औरतों की आवाज बनना चाहती हूं, जो ऐसा झेल चुकी हैं।

-**ज्योति सिंह**, पवन सिंह की पत्नी

रामपुर में सपा सांसद और मेरी तो सात पुश्तें रामपुर में गड़ी हुई हैं और आजम खान के दादा बिजनौर से आए थे। शायद यही वजह है कि बिजनौर के सांसद से उनके ताल्लुक अच्छे हैं और रामपुर के सांसद को एंट्री नहीं मिलती।

-**मोहिबुल्लाह नदवी**, सपा सांसद

कोविड काल में यह कम हुआ था... अन्यथा यह हमेशा से वैसा ही रहा है। रिकॉर्ड में ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे पता चले कि पटाखों की वजह से ऐसा हुआ है। मैं आग्रह करता हूँ कि पटाखों पर कोई प्रतिबंध न हो।

-**तुषार मेहता**, सॉलिसिटर जनरल, केंद्र सरकार

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िमेदार).

ब्रीफ न्यूज़

नगर निगम क्षेत्र में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

पालघर। पालघर और वसई-विरार नगर निगम के सहयोग से खेल एवं युवा मामले निदेशालय, महाराष्ट्र राज्य, पुणे और जिला क्रीड़ा परिषद द्वारा नगर निगम के ओपन थिएटर हॉल, नालासोपारा पश्चिम में 07 से 09 अक्टूबर 2025 तक 14, 16 और 19 वर्ष के स्कूली बालक-बालिकाओं के लिए कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता सफलतापूर्वक 09 अक्टूबर को संपन्न हुई, जिसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त टीमों को क्रमशः स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मनपा के क्रीड़ा विभाग के उपायुक्त श्री अजीत मुथे, खेल समन्वयक, कर्मचारीगण, विद्यालय क्रीड़ा समिति के प्रमुख, सदस्य और सलाहकार शिक्षक उपस्थित थे, जिनके सहयोग से प्रतियोगिता सफलता पूर्वक संपन्न हुई। पालघर। पालघर और वसई-विरार नगर निगम के सहयोग से खेल एवं युवा मामले निदेशालय, महाराष्ट्र राज्य, पुणे और जिला क्रीड़ा परिषद द्वारा नगर निगम के ओपन थिएटर हॉल, नालासोपारा पश्चिम में 07 से 09 अक्टूबर 2025 तक 14, 16 और 19 वर्ष के स्कूली बालक-बालिकाओं के लिए कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता सफलतापूर्वक 09 अक्टूबर को संपन्न हुई, जिसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त टीमों को क्रमशः स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मनपा के क्रीड़ा विभाग के उपायुक्त श्री अजीत मुथे, खेल समन्वयक, कर्मचारीगण, विद्यालय क्रीड़ा समिति के प्रमुख, सदस्य और सलाहकार शिक्षक उपस्थित थे, जिनके सहयोग से प्रतियोगिता सफलता पूर्वक संपन्न हुई।

डॉ. मोहम्मद मक़ीम जामई बेस्ट टीचर अवार्ड से सम्मानित

भिवंडी। महाराष्ट्र स्टेट उर्दू साहित्य अकादमी द्वारा वरली स्थित वी.एस.पी. ऑडिटोरियम में आयोजित तीन दिवसीय गोल्डन जुबली समारोह के दौरान प्रसिद्ध शैक्षिक व्यक्तित्व डॉ. मोहम्मद मक़ीम जामई (अस्ताद राबिया गर्ल्स हाई स्कूल) को "बेस्ट टीचर अवार्ड" से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. जामई के परिवार, मित्रों और स्कूल अधिकारियों की मौजूदगी में उनकी शैक्षिक, शिक्षण और साहित्यिक सेवाओं की सराहना की गई। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों — दयान वली जान शेख, डॉ. खुर्शीद, मोहम्मद शाहिद अजमी बेकरी, मौलाना नमान अजमी साक़िबी, डॉ. अबु तालिब अंसारी, डॉ. अबुलबरकत शेख समेत अन्य अतिथियों — ने कहा कि यह सम्मान डॉ. जामई के उर्दू भाषा व साहित्य के प्रति समर्पण और शिक्षा क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान का प्रमाण है। इस अवसर पर खैफ़ नियाज़ मुमिन (अध्यक्ष BWES), एडवोकेट नियाज़ मुमिन (उपाध्यक्ष), डॉ. अनिस मुमिन (कोषाध्यक्ष), यूसुफ़ रमज़ान मुमिन (चैरमैन स्कूल) सहित शिक्षकों और स्टाफ ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कल्याण में संपन्न हुई जिला स्तरीय कबड्डी स्पर्धा

कल्याण। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के क्रीड़ा व सांस्कृतिक विभाग द्वारा राज्य के क्रीड़ा व युवक सेवा विभाग (पुणे) के सहयोग से आयोजित जिला स्तरीय कबड्डी स्पर्धा का सफल आयोजन 6 से 9 अक्टूबर 2025 तक डॉन बॉस्को स्कूल, आधारवाड़ी, कल्याण (पश्चिम) में किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन क्रीड़ा व सांस्कृतिक विभाग के उप आयुक्त संजय जाधव ने किया। महापालिका आयुक्त अभिनव गोयल के मार्गदर्शन में हुए इस आयोजन में खिलाड़ियों और दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला।

पश्चिम रेलवे की त्योहारी तैयारी

भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष व्यवस्था

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

त्योहारी सीज़न में यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए पश्चिम रेलवे ने सुरक्षित और सुचारू यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत भीड़ प्रबंधन योजना लागू की है। मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत मुंबई सेंट्रल, बांद्रा टर्मिनस, बोरीवली, वापी, वलसाड, उधना और सूरत जैसे प्रमुख स्टेशनों पर विशेष इंतज़ाम किए गए हैं। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक स्टेशन पर होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर और आरपीएफ तैनाती की व्यवस्था की गई है।

यात्रियों के लिए होल्डिंग एरिया और अतिरिक्त सुविधाएँ

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने बताया कि सभी प्रमुख स्टेशनों पर बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, प्रकाश, पंखे और उद्घोषणा प्रणाली जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रत्येक स्टेशन पर लगभग 20 अतिरिक्त टिकट चेकिंग स्टाफ और आरपीएफ कर्मियों की तैनाती की गई है। बांद्रा टर्मिनस पर प्लेटफॉर्म संख्या 1 के पास 210 वर्ग मीटर, वापी में 110 वर्ग मीटर, सूरत में 1,200 वर्ग मीटर, और उधना में 3,200 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल के कवर्ड होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं, ताकि यात्री ट्रेनों के प्रस्थान से पहले आराम से प्रतीक्षा कर सकें।

रेलवे की अपील: सहयोग से ही संभव सुचारू यात्रा

पश्चिम रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे प्लेटफॉर्म या प्रवेश द्वारों के पास भीड़ लगाने के बजाय निर्धारित प्रतीक्षालयों का उपयोग करें और ड्यूटी पर तैनात कर्मियों के निर्देशों का पालन करें। रेलवे प्रशासन का कहना है कि त्योहारों के दौरान प्रतिदिन हजारों यात्रियों की आवाजाही अपेक्षित है, ऐसे में सुरक्षा और समय पर प्रस्थान बनाए रखने के लिए सामूहिक सहयोग आवश्यक है। इन विशेष व्यवस्थाओं का उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित, व्यवस्थित और सुखद यात्रा अनुभव प्रदान करना है।

छठ व दिवाली पर मुंबई–वाराणसी के बीच चलेंगी 12 विशेष गाड़ियां

मुंबई। छठ पूजा और दीपावली पर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने बड़ी राहत दी है। यात्रियों की सुविधा के लिए लोकमान्य तिलक टर्मिनस (मुंबई) और वाराणसी के बीच कुल 12 अतिरिक्त विशेष गाड़ियाँ चलाने का निर्णय लिया गया है। ये विशेष ट्रेनें अक्टूबर से नवंबर 2025 के बीच चलाई जाएँगी। रेलवे के अनुसार, विशेष गाड़ी संख्या 04225 लोकमान्य तिलक टर्मिनस से प्रत्येक मंगलवार को 14 अक्टूबर से 18 नवंबर 2025 तक शाम 4:55 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन सुबह 2:05 बजे वाराणसी पहुँचेगी। वहीं, विशेष गाड़ी संख्या 04226 वाराणसी से प्रत्येक सोमवार को 13 अक्टूबर से 17 नवंबर 2025 तक रात 1:35 बजे चलेगी और अगले दिन दोपहर 2:25 बजे मुंबई (एलटीटी) पहुँचेगी। इन ट्रेनों का ठहराव ठाणे, कल्याण, नासिक रोड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, रानी कमलापति (भोपाल), बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, उरई, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, सुल्तानपुर और जौनपुर सिटी स्टेशनों पर रहेगा।

पश्चिम रेलवे में चला स्वच्छ परिसर व स्वच्छ आहार अभियान

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा 1 से 15 अक्टूबर 2025 तक मनाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों, कॉलोनियों और ट्रेनों में स्वच्छता, सफाई और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। इस पहल के 8वें और 9वें दिन क्रमशः स्वच्छ परिसर और स्वच्छ आहार पर केंद्रित गतिविधियाँ आयोजित की गईं। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने बताया कि 8 अक्टूबर को विभिन्न रेलवे कार्यालयों, कॉलोनियों, प्रतीक्षा कक्षों और विश्राम गृहों में सघन स्वच्छता और फ्यूमिगेशन अभियान चलाए गए। रेलवे कॉलोनियों में कचरा पृथक्करण (गीला–सूखा) पर 70 से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 500 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

कराटे प्रतियोगिता में डोंबिवली के पिता-पुत्रों का विश्व रिकॉर्ड

डीबीडी संवाददाता । डोंबिवली

महाराष्ट्र के निलजेगांव के रहने वाले डॉ. अशोक लक्ष्मी साहू और उनके दो बेटों ने कराटे प्रतियोगिता में कमाल कर दिया और डोंबिवली का नाम रोशन किया। चेन्नई के S.I.V.E.T कॉलेज में आयोजित वर्ड कराटे मास्टर एसोसिएशन की प्रतियोगिता में साहू परिवार ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया।

पेशे से पैथोलॉजिस्ट डॉ. अशोक साहू

47 वर्षीय डॉ. अशोक लक्ष्मी साहू पेशे से पैथोलॉजिस्ट हैं और 2002 से ब्लैक बेल्ट धारक हैं। उन्होंने पिछले 25 वर्षों से कराटे का अभ्यास किया है और अपने अनुभव और कौशल से प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बड़े बेटे अक्षय साहू (20) ने पिता के साथ वर्षों से कराटे का प्रशिक्षण लिया और कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। छोटे बेटे स्वस्तिक साहू (13) 6वीं कक्षा का छात्र हैं और सबसे कम उम्र में इस विश्व रिकॉर्ड को हासिल करने वाले प्रतिभागियों में शामिल हैं।

प्रतियोगिता की विशेषताएँ

प्रतिभागियों को 45 मिनट तक नॉन–स्टॉप कराटे प्रदर्शन करना था। देश–विदेश से कुल 846 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का निरीक्षण लंदन से आए गिनीज रिकॉर्ड कोऑर्डिनेटर ऋषिनाथ और जूरी टीम ने किया। साहू परिवार की अद्भुत तालमेल और लंबे अभ्यास ने सभी को चकित कर दिया।

महाराष्ट्र डाक सर्किल का सम्मेलन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राष्ट्रीय डाक सप्ताह (6 से 10 अक्टूबर) के अवसर पर महाराष्ट्र डाक सर्किल ने मुंबई के फेयरफील्ड बाय मैरियट होटल में इंडिया पोस्ट लॉजिस्टिक्सः भारत को विश्व से जोड़ते हुए सम्मेलन का आयोजन किया। इसका उद्देश्य इंडिया पोस्ट की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स भूमिका और निर्यातकों के लिए विश्वसनीय सेवा प्रदाता के रूप में विभाग की क्षमताओं को उजागर करना था।

सम्मेलन में प्रमुख हस्तियों की भागीदारी

कार्यक्रम में कई वरिष्ठ अधिकारी और उद्योग जगत के प्रमुख हितधारक उपस्थित थे, जिनमें मुख्य पोस्टमास्टर जनरल अमिताभ सिंह, महाप्रबंधक (वित्त) जयती समद्दर, पोस्टमास्टर जनरल सुचिता जोशी, निदेशक डाक सेवाएं केया अरोरा और अभिजीत इचके, अतिरिक्त महानिदेशक आर. के. मिश्रा, एएमएफआई के सीईओ वी. एन. चलासानी, भारत डायमंड बुर्स के उपाध्यक्ष मेहुल शाह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति और निर्यातक शामिल थे।

इंडिया पोस्ट की लॉजिस्टिक्स क्षमताएँ

मुख्य भाषण में अमिताभ सिंह ने बताया कि इंडिया पोस्ट पारंपरिक डाक सेवाओं से आगे बढ़कर अब एमएसएमई, कारीगरों और ग्रामीण उद्यमियों के लिए सुरक्षित और विश्वसनीय लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान कर रहा है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत अब 80 किलोग्राम तक के टूलकिट्स देशभर के कारीगरों तक सफलतापूर्वक पहुंचाए जा रहे हैं। इस योजना के अंतर्गत अब तक 9 लाख से अधिक टूलकिट्स वितरित किए जा चुके हैं।

डिजिटल भुगतान में इंडिया पोस्ट का योगदान

अमिताभ सिंह ने यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। यूपीआई मोबाइल के माध्यम से रीयल टाइम डिजिटल भुगतान की सुविधा देता है और शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने बताया कि यूपीआई हर महीने 10 अरब से अधिक लेनदेन संभाल रहा है और भारत अब इस तकनीक को सिंगापुर, यूएई और फ्रांस जैसे देशों में भी निर्यात कर रहा है।

राष्ट्रीय डाक सप्ताह का समापन

10 अक्टूबर को आयोजित इस सम्मेलन के साथ, जो ग्राहक दिवस भी था, महाराष्ट्र डाक सर्किल ने राष्ट्रीय डाक सप्ताह का समापन सफलतापूर्वक किया। इस आयोजन ने इंडिया पोस्ट की बढ़ती लॉजिस्टिक्स और डिजिटल सेवाओं की भूमिका को उजागर किया और राज्य व देश में सेवाओं के महत्व को रेखांकित किया।

जर्जर सड़कों पर सांसद कलाबेन डेलकर ने जताई गंभीर चिंता

सांसद निधि से 5 करोड़ देने का प्रस्ताव

डीबीडी संवाददाता । सिलवासा

दादरा नगर हवेली की सांसद कलाबेन एम. डेलकर ने सिलवासा शहर और पूरे केंद्रशासित प्रदेश में सड़कों की जर्जर स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने जिला समाहर्ता को पत्र लिखकर सड़कों के तात्कालिक मरम्मतीकरण की मांग की है और इस समस्या के समाधान के लिए अपनी सांसद निधि से 5 करोड़ रुपए उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया है।

टूटी सड़कें खतरा बनीं

सांसद डेलकर ने पत्र में बताया कि शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें जगह–जगह से टूटी हुई हैं और गड्ढों की वजह से लोगों की जान पर खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने कहा कि सड़क हादसों में लगातार लोगों की जानें जा रही हैं। बारिश के दौरान की गई खुदाई और अधूरे कामों ने स्थिति और भी बदतर बना दी है।

स्वास्थ्य पर असर

सांसद ने कहा कि धूल और प्रदूषण के कारण छोटे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों का स्वास्थ्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सड़कें सुधारना केवल आवागमन की सुविधा के लिए नहीं बल्कि नागरिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी अत्यावश्यक है।

सांसद निधि से 5 करोड़ का प्रस्ताव

कलाबेन डेलकर ने अपने पत्र में जिला प्रशासन से अपील की है कि यदि फंड की कमी के कारण सड़क मरम्मतीकरण का काम रुका हुआ है, तो उनकी सांसद निधि से आवश्यक राशि का उपयोग कर इस समस्या का तत्काल समाधान किया जाए। उनका यह कदम जनता की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

सांसद डेलकर ने कहा कि जनता की सुरक्षा और सुविधा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि सिलवासा की सड़कों को जल्द से जल्द सुधारने का कार्य शुरू किया जाए ताकि नागरिकों को राहत मिले और आवागमन सुचारु रूप से हो सके।

कोरोना के बाद मानसिक रोगों में बढ़ोतरी

डोंबिवली में मानसिक रोगों की दर में 10 से 20 प्रतिशत की वृद्धि

डीबीडी संवाददाता । डोंबिवली

कोरोना महामारी के बाद डोंबिवली और कल्याण में मानसिक रोगों की दर में तेज़ी से वृद्धि हुई है। मनोवैज्ञानिक डॉ. विजय चिंचोले के अनुसार, डोंबिवली में मानसिक रोगों की दर 10 से 20 प्रतिशत तक है। पिछले दस सालों में डोंबिवली में लगभग 65 हज़ार और कल्याण में 10 से 12 हज़ार लोग मानसिक रोगों के इलाज के लिए उनके पास आए हैं।

युवाओं में समस्या अधिक

डॉ. चिंचोले ने बताया कि मानसिक रोग से ग्रस्त लोगों में युवा सबसे अधिक प्रभावित हैं। 70 से 80 प्रतिशत रोगी 20 से 35 वर्ष की आयु के बीच हैं। कई ऐसे लोग हैं जो मानसिक समस्या के बावजूद इलाज नहीं कराते क्योंकि यह एक भ्रांति फैली हुई है कि मनोवैज्ञानिक के पास जाना पागलपन है। डॉ. चिंचोले ने कहा कि 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करना है। उन्होंने लोगों से कहा कि तनाव और चिंता का स्तर बढ़ रहा है और इलाज के लिए मनोवैज्ञानिक के पास जाना सामान्य और ज़रूरी है।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए सुझाव

मनोवैज्ञानिक ने मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने के चार प्रमुख सिद्धांत बताए: आहार, व्यायाम, नींद और तर्कसंगत सोच। उन्होंने मोबाइल और तकनीक के अत्यधिक उपयोग को कम करने, व्यायाम और योग करने, पर्याप्त नींद लेने और तनाव प्रबंधन को जीवन का हिस्सा बनाने पर ज़ोर दिया। साथ ही कहा कि परिवार और बच्चों को भी छोटे से ही मानसिक विकास और तनाव प्रबंधन सिखाना चाहिए। डॉ. चिंचोले ने लोगों से कहा कि दूसरों और परिस्थितियों को बिना शर्त स्वीकार करें। गलतियाँ इंसानी हैं, लेकिन उनसे सीखें और सुधार करें। उन्होंने मोबाइल स्क्रीन के उपयोग पर नियंत्रण, खाने की मेज़ पर मोबाइल न लाने और शौचालय में मोबाइल न ले जाने जैसी आदतों को बदलने की सलाह दी। स्वस्थ जीवनशैली और सकारात्मक सोच मानसिक रोगों से लड़ने में मदद करती है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य हो जाने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश लाभदायक रहेगा। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। विवाद से बचें।

वृष व्यापार ठीक चलेगा। आय होगी। विवेक का प्रयोग करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। विवाद से बचें। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

मिथुन नए अनुबंध हो सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लंबी यात्रा हो सकती है। लाभ होगा। प्रशंसा मिलेगी। घर–बाहर पूछ–परख रहेगी।

कर्क व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम न लें। भाइयों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कोई बड़ा कार्य कर पाएंगे।

सिंह राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण व लाभदायक रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। शेयर मार्केट में जोखिम न लें। नौकरी में चैन रहेगा। घर–बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। ध्यान रखें। तीर्थदर्शन हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा।

कन्या व्यापार ठीक चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें। दूसरों के झगड़ों में हस्तक्षेप न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्षोभ होगा। फालतू की बातों पर ध्यान न दें।

तुला राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कोई बड़ा कार्य करने की योजना बन सकती है। कार्यसिद्धि होगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें।

वृश्चिक प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि के योग हैं। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यस्तता रहेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे।

धनु बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पारिवारिक मांगलिक कार्य हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। मेहनत का फल पूरा नहीं मिलेगा।

मकर आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लेन–देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी के उकसाने में न आएं। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी।

कुंभ कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। मेहनत सफल रहेगी। बिगड़े काम बनेंगे। घर–बाहर पूछ–परख रहेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

मीन नए मित्र बनेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यों में गति आएगी। विवेक का प्रयोग करें। लाभ में वृद्धि होगी। मित्रों के सहयोग से किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। घर–बाहर सुख–शांति रहेगी। पुराने संगी–साथी व रिश्तेदारों से मुलाकात होगी।

गूढ़ ज्योतिष के रहस्यमयी 16 जीवन सूत्र

यह नियम इस कारण से सत्य है कि बाद का ग्रह कर्म का परिणाम है — पहले ग्रह का कार्य प्रारंभ, दूसरे का समापन। इसलिए परिणाम हमेशा बाद के ग्रह के अनुसार होता है।

महापुरुष योग जब सूर्य या चन्द्र के साथ होता है और जन्म समय अशुभ वेले में होता है, तो उसका पूर्ण फल नहीं मिलता। लेकिन जब उसी कुंडली में कोई नीच ग्रह हो, तब उसी की दशा में व्यक्ति को अद्भुत उन्नति मिलती है। इसका कारण यह है कि नीच ग्रह अपने पतन से व्यक्ति को जगाता है और भीतर की सुप्त शक्तियों को सक्रिय करता है। इस प्रकार विपरीत दशा ही असली उन्नति का द्वार बन जाती है।

जन्म समय को लेकर ऋषियों में विभिन्न मत हैं। गर्ग और उनके अनुयायियों ने कहा है कि पैरों से प्रसव में जब टखने दिखें, वही जन्म समय माना जाए; सीधे प्रसव में कंधे दिखने का समय जन्म का है। अन्य

प्रियंका जैन
9769994439

मत कहता है कि जब माँ के शरीर से बच्चे का शरीर पूर्ण रूप से अलग हो जाए, तब असली जन्म होता है। आधुनिक दृष्टि से भी यही सत्य है, क्योंकि उसी क्षण बालक स्वतंत्र रूप से प्राणवायु ग्रहण करता है और आत्मा पूर्ण रूप से देह में प्रविष्ट होती है।

पंचांग के पाँच तत्व — तिथि, वार, नक्षत्र, योग और करण — किसी कुंडली के अध्ययन के प्रथम द्वार हैं। इनमें जन्म का वारपति (जन्म वार का स्वामी) यदि कुंडली में बलवान हो, तो संपूर्ण जन्मपत्रिका को अतिरिक्त शक्ति मिलती है। ऐसा व्यक्ति समय, अवसर और कर्म को पहचानकर जीवन में आगे बढ़ता है।

जब कुंडली में सभी सात ग्रह लग्न से पाँचवें, छठे या सातवें भाव तक क्रम से बैठे हों, तो यह मालिका योग कहलाता है। यह योग व्यक्ति को सम्मान, पद और धन प्रदान करता है, क्योंकि यह ऊर्जा का निरंतर प्रवाह दर्शाता है। किंतु यदि यह श्रृंखला आठवें या बारहवें भाव से आरंभ हो, तो इसका प्रभाव उल्टा हो जाता है। तब व्यक्ति को बार-बार रुकावटें, हानि और मानसिक अशांति झेलनी पड़ती है। विद्वान तांत्रिक बनने के योग विशेष संयोजन से बनते हैं। जब 1, 2, 5, 9, 12 भावों में पाप ग्रह हों, केंद्र में पाप ग्रह के साथ बुध स्थित हो, सूर्य-मंगल या बुध-शनि का केंद्र में योग बने और दशम भाव में पाप ग्रह पर शुभ ग्रह की दृष्टि हो, तब व्यक्ति रहस्यमयी शक्तियों का स्वामी बनता है। यदि राहु या केतु तीसरे या ग्यारहवें भाव में हों, तो यह योग और भी तीव्र हो जाता है। ऐसा व्यक्ति गूढ़ ज्ञान, तंत्र, और साधना में विलक्षण प्रगति करता है।

यदि लग्नेश द्वादश भाव में हो, तो ऐसे व्यक्ति के जीवन में शत्रु अधिक होते हैं। उन पर झूठे आरोप भी लग सकते हैं, और कई बार आत्मसंदेह या निराशा की भावना बढ़ जाती है। यह स्थिति व्यक्ति को बार-बार स्वयं से युद्ध करने के लिए प्रेरित करती है, ताकि वह आत्मबल से विजय प्राप्त कर सके।

राहु की महादशा में केतु की अंतर्दशा का समय अत्यंत उलझनभरा होता है। इस दौरान व्यक्ति मानसिक रूप से विचलित और निर्णयहीन हो जाता है। दिशा खो देता है, पर यदि इस अवधि में गुरु या चन्द्र की कृपा मिल जाए, तो यही समय उसके आध्यात्मिक जागरण का कारण बन जाता है।

न्यूज़ ब्रीफ

दीपावली से पहले गोरखपुर में गरीबों को दिया अनमोल उपहार : सीएम योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली से पहले गोरखपुर में गरीबों को अनमोल उपहार सौंपा। पाम पैराडाइज, देवरिया बाईपास स्थित हाई-राइज बिल्डिंग में 160 परिवारों को ईडब्ल्यूएस/एलआईजी फ्लैट्स की चाबियां भेंट कीं। इनमें 80 फ्लैट्स आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और 80 निम्न आय वर्ग (एलआईजी) के लिए हैं। साथ ही, गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की 118 करोड़ रुपए की 50 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। कार्यक्रम में सीएम ने पौधारोपण भी किया। इस कार्यक्रम में गोरखपुर से सांसद रवि किशन भी मौजूद थे। दिवाली पर स्वदेशी अपनाओ को लेकर भी चर्चा हुई। इस दौरान CM योगी ने स्वदेशी मेले में रविकिशन की विदेशी घड़ी को लेकर तंज कसा। उन्होंने कहा कि स्वदेशी बोलने से कुछ नहीं होगा। इसे अपनाना भी होगा। CM ने सांसद रविकिशन को बुलाकर अपने पड़ोस कुर्सी पर बैठाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि हर परिवार की एक तमन्ना होती है कि उसका अपना एक घर हो, सर ढकने को छत मिले। आज 160 परिवारों को यह दीपावली का शुभ उपहार मिल रहा है। कार्तिक मास के शुभ मुहूर्त में यह उपलब्धि और भी खास है। उन्होंने कहा कि एक परिवार में औसतन 5-6 सदस्य होने पर करीब 700-800 लोग सीधे लाभान्वित हो रहे हैं। यह किसी भी व्यक्ति के लिए केवल आवास ही नहीं, बल्कि जीवन की महत्वपूर्ण घटना होती है।

राहुल दुबे गैंग के साथ पुलिस का एनकाउंटर

रांची: राज्य की राजधानी रांची के रातू इलाके में पुलिस और कुख्यात राहुल दुबे गैंग के अपराधियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में पुलिस की तरफ से हुई गोलीबारी में राहुल दुबे गिरोह के दो कुख्यात अपराधी घायल हुए हैं जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं दो अपराधियों को पुलिस की टीम ने खदेड़ कर धर दबोच लिया है। रांची के ग्रामीण एसपी प्रवीन पुष्कर ने बताया कि अपराधियों के जमा होने की सूचना पर पुलिस की टीम ठाकुर गांव ,खलारी और रातू थाना क्षेत्र के सीमा पर पहुंची थी, पुलिस को देखकर अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी जवाबी फायरिंग में दो अपराधियों को गोली लगी है जिन्हें घायल अवस्था में ही गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। वही दो अपराधियों को पुलिस ने खदेड़ कर गिरफ्तार किया है।

आर्मी में नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले गिरफ्तार

रांची: आर्मी सहित कई केंद्रीय दफ्तर में नौकरी का झांसा देकर करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले तीन आरोपियों को रांची से गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई लखनऊ मिलिट्री इंटेलिजेंस और रांची पुलिस के द्वारा संयुक्त रूप से की गई है। राजधानी रांची में एक बड़ा गिरोह आर्मी (MES), रेलव, केंद्र और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में नौकरी के नाम पर ठगी को अंजाम दे रहा था। इस मामले की तफ्तीश कर रही लखनऊ मिलिट्री इंटेलिजेंस को जानकारी मिली कि यह सारा नेटवर्क झारखंड की राजधानी रांची से चल रहा है। इस मामले में आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए आर्मी इंटेलिजेंस के अफसरों ने रांची पुलिस से संपर्क किया।

यूपी में टूटा सपा-कांग्रेस का गठबंधन

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधान परिषद शिक्षक और स्नातक चुनाव में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की राह अलग हो गई है। क्योंकि सपा के बाद कांग्रेस ने भी एमएलसी चुनाव 2025 के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सभी 11 सीटों पर चुनाव अकेले लड़ने का एलान किया है। पार्टी कार्यालय में शुक्रवार को मीडिया से बातचीत करते हुए अजय राय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी युवाओं और शिक्षकों की आवाज को सदन में बुलंद करने के लिए आगामी विधान परिषद चुनाव में सभी 11 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसके लिए कांग्रेस 5 लाख स्नातक के तथा 2 लाख शिक्षक मतदाताओं के फार्म भरवाकर वोटर बनवाने के कार्य में जुट गई है। सभी जिला/शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों को फार्म वितरित कर दिए गए हैं। चुनाव के लिए प्रदेश कांग्रेस कार्यालय लखनऊ में एक कनेक्ट सेंटर स्थापित कर दिया गया है। प्रत्येक जिले में एक कोऑर्डिनेटर कमेटी बनाया जाएगा जो कनेक्ट सेंटर से जुड़ा रहेगा। सभी फ्रंटल, संगठनों को इसमें लगाया गया है विधि, शिक्षक एवं चिकित्सा प्रकोष्ठ को इस चुनाव के लिए विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है।

5 सीटों पर कोऑर्डिनेटर प्रत्याशी बनाए

अजय राय ने बताया कि इसके साथ ही सभी सीटों पर सांसदों/विधायकों, पूर्व सांसदों/विधायकों एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को प्रभारी बनाया जा रहा है। उनके साथ सह प्रभारी भी नियुक्त किए जा रहे हैं। एमएलसी चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पाण्डेय एवं अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में जिलों में बैठकें आयोजित होंगी। कांग्रेस की सभी जिला/ब्लाक कमेटियां वोट बनवाने से लेकर वोट पोल कराने तक का कार्य करेंगी। अजय राय कहा कि प्रत्येक सीट पर चुनाव की तैयारी कर रहे संभावित प्रत्याशियों को कोऑर्डिनेटर घोषित किया जा रहा है। अभी तक 5 सीटों पर कोऑर्डिनेटर प्रत्याशी बनाए जा चुके हैं। मेरठ-सहारनपुर स्नातक विधान परिषद सीट पर विक्रांत वशिष्ठ, आगरा स्नातक विधान परिषद सीट पर रघुराज सिंह पाल, लखनऊ स्नातक विधान परिषद सीट पर डॉ। देवमणि तिवारी, वाराणसी शिक्षक विधान परिषद सीट पर संजय प्रियदर्शी और वाराणसी स्नातक विधान परिषद सीट पर अरविंद सिंह पटेल उम्मदीवार बनाए गए हैं।

भाजपा सरकार में शिक्षक सबसे अधिक परेशान

पार्टी कार्यालय में शुक्रवार को मीडिया से बातचीत करते हुए अजय राय ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार में न केवल बेरोजगार युवा बल्कि शिक्षक, कर्मचारी, वकील, डाक्टर, सहित समाज के सभी वर्ग के लोग पीड़ित हैं। सरकारी पदों पर भर्तियां नहीं हो रही हैं, विज्ञापन निकल नहीं रहा है, विज्ञापन निकल रहा है तो परीक्षा नहीं हो पा रही है। परीक्षा हो रही तो पेपर लीक हो जा रहे हैं, नतीजन बेरोजगार युवा रोजगार न मिलने से अवसाद से ग्रसित हो जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक इस वर्तमान सरकार में सबसे ज्यादा परेशान हैं न तो वित्तविहीन शिक्षकों को मानदेय दिया गया और न ही सेवा सुरक्षा। एडेड कॉलेजों के शिक्षकों की सेवा सुरक्षा भी भाजपा सरकार ने समाप्त कर दी है। पुरानी पेंशन नहीं दी जा रही है। शिक्षकों के पद रिक्त हैं यह सरकार शिक्षा सेवा चयन आयोग बनाकर केवल मजाक कर रही है।

आयोग नहीं कर पा रहा शिक्षकों की भर्ती

अजय राय ने कहा कि प्राइमरी से लेकर डिग्री तक के शिक्षकों की भर्ती के लिए बनाया गया आयोग एक भी भर्ती नहीं करा पा रहा है। इसी सरकार में बनाई गई चेयरमैन इस्तीफा दे रही हैं। 2021 में निकले विज्ञापनों की अभी तक परीक्षा नहीं हो पा रही है। 5 बार परीक्षा की तिथि घोषित करने के बाद परीक्षा टाल दी गई है। राय ने कहा कि इस अव्यवस्था अराजकता और कुशासन के खिलाफ शिक्षक और स्नातक विधान परिषद के सदस्य सदन में आवाज उठाते हैं। मगर पिछले चुनाव में भाजपा सरकार ने वोट चोरी करके बूथ कैप्चरिंग और मतदाता पेटी बदलवाकर चुनाव जीता और लोकतंत्र की आवाज को खत्म करने की कोशिश की।

कानपुर में जरीब चौकी व गंगाघाट पर बनेंगे नए पुल

एजेंसी । कानपुर

जरीब चौकी क्रॉसिंग पर पुल और गंगाघाट स्थित पुराने गंगा पुल पर नए पुल के निर्माण को शासन से हरी झंडी मिल गई है। अब जल्द ही जरीब चौकी क्रॉसिंग व पुराने गंगा पुल को बनाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। जिससे कानपुर समेत उन्नाव की लाखों की आबादी को जाम से राहत मिल जाएगी।

विभागों को भेजा गया रिमाइंडर

गंगाघाट पुल बनाने वाली कंपनी 10 अक्टूबर से मिट्टी परीक्षण का काम शुरू कर देगी। साथ ही पुल के आसपास जो अतिक्रमण है, उसे हटाने का काम भी किया जाएगा। जरीब चौकी क्रॉसिंग पर पुल के लिए सेतु निगम अफसरों ने केस्को, सीयूजीएल, नगर निगम, जल निगम, जलकल विभाग और बीएसएनएल को अपनी ओर से रिमाइंडर भेजा है। सेतु निगम की ओर से जरीब चौकी पुल के निर्माण की जिम्मेदारी ऋषिकेश की कंपनी हिलवेज कंस्ट्रक्शन को दी गई है।

320 करोड़रुपए से बनेगा जरीब चौकी पुल

सेतु निगम के अफसरों ने बताया, जरीब चौकी पर पुल के लिए कुल बजट 320 करोड़रुपए रखा गया है। 1700 मीटर लंबे चार लेन वाले इस पुल को इस तरह से डिजाइन किया गया है, जिससे लोगों को चार दिशाओं में जाने का मौका मिल सकेगा। शहर में सबसे अधिक जाम जरीब चौकी चौराहे पर ही लगता है।

राजस्थान के ज्यादातर हिस्सों में आई तापमान में गिरावट

सीकर में तापमान सबसे कम 15 ।5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया

एजेंसी । जयपुर

राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में तापमान सामान्य से सात डिग्री सेल्सियस तक नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने बताया कि उत्तरी हवाओं के प्रभाव के कारण राजस्थान में तापमान कम हुआ है। विभाग के अनुसार, वर्तमान में उत्तरी हवाओं के प्रभाव से राज्य के अधिकांश भागों में न्यूनतम व अधिकतम तापमान सामान्य से दो से सात डिग्री सेल्सियस तक कम हुआ है। गुरुवार

को सीकर में न्यूनतम तापमान 15 ।5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे कम था। एक हफ्ते तक मौसम शुष्क रहेगा जयपुर स्थित मौसम केंद्र के अनुसार, राज्य के सभी भागों में एक हफ्ते तक मौसम शुष्क रहेगा।

पुलिस की मौजूदगी में हत्या

एजेंसी । जलालपुर

बिजनौर जनपद के हल्दौर क्षेत्र में ढाबे पर युवक की पीट-पीटकर हत्या और फौजी के गंभीर रूप से घायल होने के मामले में अब पुलिस पर भी गाज गिरी है। घटना के दौरान मौजूद रहने और समय पर कार्रवाई न करने के आरोप में हल्दौर थाना प्रभारी महेंद्र पाल और डायल 112 की गाड़ी पर तैनात दो पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। सीओ सिटी की जांच रिपोर्ट में यह पाया गया कि पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद थे, फिर भी उन्होंने हमलावरों को रोकने के लिए उचित कार्रवाई नहीं की।

माफियाओं के कब्जे वाली सरकारी जमीनों पर बनेगा गरीबों का आशियाना: गोरखपुर

एजेंसी । गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में आयोजित 'यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला' के शुभारंभ कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उन्होंने कार्यक्रम में साफ तौर पर कहा कि उत्तर प्रदेश में अब सरकारी जमीन पर किसी भी भूमाफिया का कब्जा नहीं रहेगा। जिन लोगों ने जमीनों पर अवैध कब्जा किया है, उनके निर्माण ध्वस्त कर वहां गरीबों के लिए आशियाने बनाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रयागराज में एक माफिया की जमीन पर कब्जा हटाकर गरीबों को घर दिए गए हैं, जहां 70 से अधिक परिवार रह रहे हैं। इसी तरह लखनऊ में भी ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली से पहले हजारों गरीबों को मकान दिए जाएंगे। गोरखपुर में एक निजी बिल्डर के बनाए गए EWS और LIG फ्लैटों की चाबियां 120 लाभार्थियों को सौंपी गईं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दीपावली से पहले घर मिलने का शुभ अवसर है। उन्होंने गोरखपुर विकास प्राधिकरण को निर्देश दिया कि आवास योजना में आवंटन के लिए आए 9000 आवेदनों में से सिर्फ 120 को घर मिले हैं।

मुख्तार अंसारी की जमीन पर बने फ्लैट्स की भारी डिमांड

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। डालीबाग इलाके में माफिया विधायक मुख्तार अंसारी के कब्जे से छुड़ाई गई जमीन पर लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने 72 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के फ्लैटों का निर्माण पूरा कर लिया है। ये फ्लैट सरदार वल्लभ भाई पटेल आवासीय योजना के तहत बने हैं, जिनकी कीमत मात्र 10.70 लाखरुपए से शुरू हो रही है। इन फ्लैटों की मांग बहुत अधिक मांग है, क्योंकि एक सप्ताह में ही 4200 से अधिक लोगों ने रुचि दिखाई है।

2020 में शुरू हुआ था निर्माण

एलडीए के अनुसार, डालीबाग लखनऊ का एक पॉश इलाका है, जहां जमीन के दाम आसमान छूते हैं। यहां करीब 20,000 वर्गफुट की जमीन कभी माफिया डॉन और पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी के कब्जे में थी। मुख्तार ने 2007 में फर्जी कागजातों के आधार पर यहां बंगला का निर्माण कराया था, जो उसके बेटों के नाम पर रजिस्टर्ड था। 2017 में भाजपा सरकार सत्ता में आने के बाद योगी आदित्यनाथ ने 'माफिया राज' के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई।

शेयर बाजार नियामक सेबी ने दंड प्रणाली में बदलाव

एजेंसी । नई दिल्ली

व्यवसाय करने में सुगमता और अनुपालन को बढ़ावा देने के लिए बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को स्टॉक ब्रोकर्स के लिए दंड ढांचे को सरल बनाया। रिपोर्ट के अनुसार, सेबी ने एक्सचेंजों द्वारा ब्रोकर्स पर लगाए जाने वाले दंडों की संख्या 235 से घटाकर 90 कर दी है। पहले चरण में कुल 235 मौजूदा दंड प्रावधानों की समीक्षा की गई। इनमें से 40 दंड पूरी तरह हटा दिए गए। वहीं 105 मामूली प्रक्रियागत उल्लंघनों को 'वित्तीय असुविधा' की श्रेणी में रखा गया है।

नए दंड ढांचे का उद्देश्य

नए ढांचे का उद्देश्य एक्सचेंजों में एक जैसी टिप्पणियों पर लगने वाले दंडों में असंगति को दूर करना, और एक ही उल्लंघन पर कई एक्सचेंजों द्वारा दोहराए गए दंड से बचना है। अब केवल लीड एक्सचेंज ही समान उल्लंघनों पर दंड लगाएगा। सेबी ने कहा कि नए दंड ढांचे के तहत, प्रक्रियागत चूक या तकनीकी त्रुटियों को अब 'फाइनेंशियल डिसइन्सेंटिव' के रूप में वर्गीकृत किया गया है, ताकि ब्रोकर्स की प्रतिष्ठा पर अनावश्यक प्रभाव न पड़े। नए ढांचे में कुछ दंडों को सलाह या चेतावनी से बदला गया है,

पेनाल्टी शब्द से जुड़ी नकारात्मक छवि

सेबी ने माना कि 'पेनल्टी' शब्द अक्सर नकारात्मक छवि से जुड़ा होता है, इसलिए प्रक्रियागत गलतियों के लिए इसका प्रयोग गलत धारणा और प्रतिष्ठा जोखिम पैदा कर सकता है। इन मुद्दों के समाधान के लिए सेबी ने एक्सचेंजों और ब्रोकर संगठनों के प्रतिनिधियों की एक वर्किंग ग्रुप का गठन किया था। इस समिति की सिफारिशों और आगे हुई चर्चा के आधार पर यह नया दंड ढांचा तैयार किया गया है।

मिडवेस्ट लिमिटेड का IPO 15 अक्टूबर से खुलेगा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मिडवेस्ट लिमिटेड का IPO 15 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक खुला रहेगा। एंकर निवेशकों के लिए यह 14 अक्टूबर को खुला। कंपनी ने प्राइस बैंड 1014 से 1065 प्रति शेयर तय किया है। एक लॉट में 14 शेयर होंगे, यानी न्यूनतम निवेश 14,910। IPO का कुल साइज 451 करोड़ रुपए है। IPO से 250 करोड़ रुपए फ्रेश इश्यू और 201 करोड़रुपए ऑफर फॉर सेल के जरिए जुटाए जाएंगे। फ्रेश इश्यू का 130.3 करोड़रुपए फेज II विस्तार में, 25.7 करोड़ रुपए सब्सिडियरी में और 3.2 करोड़रुपए सोलर एनर्जी में निवेश होगा।

निवेशकों के लिए हिस्सेदारी

क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (QIB) के लिए 50%, रिटेल निवेशकों के लिए 35% और NII के लिए 15% हिस्सा रिजर्व किया गया है। Midwest Limited तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में 16 ग्रेनाइट माइंस संचालित करती है। FY 2023-25 में कंपनी का सीएजीआर 11.63%, EBITDA में 38.47% और PAT में 40.53% का विकास हुआ। FY 2025 में नेट प्रॉफिट 133.3 करोड़रुपए और रेवन्यू 626.2 करोड़ रुपए रहा।

हरे निशान पर बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारतीय बाजार शुक्रवार को हरे निशान पर बंद हुआ। फार्मास्युटिकल और बैंकिंग शेयरों में मजबूत तेजी तथा विदेशी पूंजी प्रवाह के चलते शुक्रवार को सेंसेक्स करीब 329 अंक चढ़ गया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 328.72 अंक या 0.40 प्रतिशत उछलकर 82,500.82 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 482.01 अंक या 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,654.11 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 103 ।55 अंक या 0.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,285.35 पर आ गया। घरेलू बाजारों में मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में व्यापक कमजोरी के कारण शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 10 पैसे बढ़कर 88.69 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में भारतीय स्टेट बैंक, मारुति सुजुकी इंडिया, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, बीईएल, अडानी पोर्ट्स, इटरनल, सन फार्मास्यूटिकल्स, पावर ग्रिड, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एचडीएफसी बैंक प्रमुख लाभ में रहे। दूसरी ओर, टाटा स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, टाइटन, बजाज फिनसर्व, टाटा मोटर्स, भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस पिछड़ गए।

बैंकिंग और फार्मा शेयरों की तेजी से बाजार को सहारा मिला

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि बैंकिंग और फार्मास्युटिकल शेयरों में मजबूत बढ़त के चलते भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। सरकार द्वारा भारतीय स्टेट बैंक का नेतृत्व करने के लिए निजी क्षेत्र के पेशेवरों को आमंत्रित करने के बाद निवेशकों की धारणा में सुधार हुआ। नायर ने कहा कि अमेरिका द्वारा बायोसिक्योर एक्ट को पुनर्जीवित करने से फार्मा शेयरों में तेजी आई, जिसका उद्देश्य विदेशी कंपनियों, विशेष रूप से चीन की कंपनियों के साथ बायोटेक संबंधों को खत्म करना है।

एनएसबी बीपीओ से आईपीओ निवेशक हुए निराश

एजेंसी । नई दिल्ली

कस्टमर केयर, केवाईसी फॉर्म प्रोसेसिंग, आर्काइवल, डॉक्यूमेंट डिजिटाइजेशन, टेलीसेल्स, टेली-कलेक्शंस और पेरोल मैनेजमेंट जैसी सपोर्ट सर्विसेज देने वाली कंपनी एनएसबी बीपीओ सॉल्यूशंस ने स्टॉक मार्केट में कारोबार के पहले दिन ही अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 121रुपए के भाव पर जारी किए गए थे। बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग सिर्फ 0 ।37 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 121 ।45रुपए के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से इंट्रा-डे में शेयर

127 ।50रुपए के स्तर तक चढ़े, लेकिन इसके बाद बिकवाली का शिकार हो गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 121 ।15रुपए के स्तर पर बंद हुए। इस पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को सिर्फ 0 ।12 प्रतिशत का मुनाफा हो सका।

केनरा एचएसबीसी लाइफ का आईपीओ लॉन्च

एजेंसी । नई दिल्ली

प्राइवेट सेक्टर की लाइफ इंश्योरेंस कंपनी केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड का 2,517.50 करोड़रुपए का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 14 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 100रुपए से लेकर 106रुपए प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 140 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर न्यूनतम 1 लॉट और अधिकतम 13 लॉट के लिए आवेदन

कर सकते हैं। आईपीओ के तहत नए शेयर जारी नहीं किए जा रहे हैं। इसमें 23.75 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये जारी किए जा रहे हैं। आईपीओ खुलने से एक दिन पहले गुरुवार को केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने 33 एंकर इनवेस्टर्स से 750.32 करोड़रुपए जुटाए। इन एंकर इनवेस्टर्स में मुख्य रूप से आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल क्वालिटी फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एक्सपोर्ट्स एंड सर्विसेज फंड, एचडीएफसी ट्रस्टीज कंपनी लिमिटेड, एचडीएफसी वैल्यू फंड, अशोक व्हाइट ऑक इंडिया ऑपर्च्यूनिटीज फंड, एलियांज ग्लोबल इन्वेस्टर्स फंड, डीएसपी स्मॉलकैप फंड, टाटा बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज फंड, मोतीलाल ओसवाल लार्ज कैप फंड के नाम शामिल हैं।

यशस्वी के शतक से भारत ड्राइविंग सीट पर

- जायसवाल ने करियर का सातवां सैकड़ा लगाया, सुदर्शन अपने पहले शतक से चूके
- भारतीय टीम ने दो विकेट पर 318 रन बनाकर विशाल स्कोर की ओर कदम बढ़ाए

एजेंसी | नई दिल्ली

यशस्वी जायसवाल ने एक बार फिर अपनी क्लास दिखाई। अरुण जेटली स्टेडियम में दूसरे टेस्ट का पहला दिन पूरी तरह से 23 साल के इस बाएं हाथ के युवा ओपनर के नाम रहा। उन्होंने शानदार बल्लेबाजी का नमूना पेश करते हुए वेस्टइंडीज के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। वह 173 रन पर खेल रहे हैं। उनकी इस नाबाद शतकीय पारी से भारत पहले ही दिन शुक्रवार को ड्राइविंग सीट पर है। दिन का खेल खत्म होने तक दो विकेट पर 318 रन बनाकर विशाल स्कोर की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। यशस्वी ने करियर का सातवां शतक जड़ने के साथ ही तीन शानदार साझेदारियां भी की। स्टंप्स के समय यशस्वी के साथ कप्तान शुभमन गिल 20 रन बनाकर क्रीज पर हैं। दोनों तीसरे विकेट के लिए अटूट 67 रन की साझेदारी कर चुके हैं। पहले टेस्ट में बड़ी पारी खेलने से चूकने वाले यशस्वी ने राहुल (38) के साथ पहले विकेट के लिए 58 और साई सुदर्शन (87) के साथ दूसरे विकेट के लिए 193 रन जोड़े। सुदर्शन दुर्भाग्यशाली रहे जो 13 रन से अपने पहले टेस्ट शतक से चूक गए।

गिल ने पहली बार जीता टॉस

गिल ने कप्तान के रूप में लगातार छह टॉस हारने के बाद पहली बार टॉस जीता और बल्लेबाजी का फैसला किया। यशस्वी ने हरी पिच पर इसका पूरा फायदा उठाया। उन्होंने कुछ आकर्षक शॉट लगाए। भारत ने पहले सत्र में एक विकेट खोकर 94 तो दूसरे में बिना नुकसान के 126 रन जोड़कर वेस्टइंडीज की गेंदबाजी की धज्जियां उड़ा दी। तीसरे सत्र में 98 रन बनाए और सुदर्शन का विकेट गंवाया।

सुदर्शन का सबसे बड़ा स्कोर

यशस्वी को सुदर्शन का अच्छा साथ मिला। दोनों ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और लंच के बाद पहले घंटे में एक समय वे लगभग छह रन प्रति ओवर की दर से रन बना रहे थे। दूसरे घंटे में उनकी गति थोड़ी धीमी हो गई। विंडीज को दूसरे सत्र में विकेट हासिल करने का एकमात्र मौका तब मिला जब सुदर्शन ने ग्रीव्स की गेंद को शॉर्ट मिडविकेट पर थोड़ा हवा में खेला लेकिन वारिकन कैच नहीं ले पाए। सुदर्शन तब 58 रन पर खेल रहे थे। इसके बाद उन्होंने करियर का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। वारिकन की गेंद को एक्रॉस द लाइन खेलने के प्रयास में उन्हें एलबीडब्ल्यू करार दिया गया। रिव्यू भी उन्हें पवेलियन लौटने से नहीं बचा पाया।

राहुल बने पहला शिकार

राहुल का सुबह के सत्र में राहुल ने वारिकन की गेंद पर स्टंप आउट होने से पहले पिछले ओवर में स्पिनर पियरे को डीप मिडविकेट पर छक्का जड़ा था। वह वारिकन की गेंद की लेंथ का सही अनुमान नहीं लगा पाए और विकेटकीपर टेविन इमलाच ने उन्हें स्टंप आउट करने में कोई गलती नहीं की। बल्लेबाजी के लिए अनुकूल दिख रही पिच पर राहुल से बड़ी पारी की उम्मीद थी। सील्स की गेंद पर कवर्स के ऊपर से लगाया गया उनका बैकफुट पंच कमाल का था। राहुल विंडीज का पहला शिकार बने। विंडीज की ओर से दोनों विकेट वारिकन को मिले।

नंबर गेम

173 रन की नाबाद पारी खेल चुके हैं यशस्वी 253 गेंदों में 22 चौकों की मदद से

193 रन की साझेदारी सुदर्शन के साथ जायसवाल ने दूसरे विकेट के लिए निभाई

जायसवाल ने लारा का रिकॉर्ड बराबर किया

यशस्वी ने अपने सात शतकों में पांच में 150 प्लस का स्कोर कर वेस्टइंडीज के दिग्गज ब्रायन लारा के रिकॉर्ड की बराबरी की। यशस्वी ने ऐसा ओपनर के रूप में किया है जबकि लारा ने तीसरे और चौथे नंबर पर। दिलचस्प है कि यशस्वी ने घरेलू सजमीं पर अपने तीनों सैकड़ों को 150 प्लस में तब्दील किया।

214 नाबाद बनाम इंग्लैंड, राजकोट
209 नाबाद बनाम इंग्लैंड, विशाखापत्तनम
173 नाबाद बनाम वेस्टइंडीज, दिल्ली
171 नाबाद बनाम वेस्टइंडीज, रोसेयू
161 नाबाद बनाम ऑस्ट्रेलिया, पर्थ

शतक के बाद बनाया दिल

अहमदाबाद में पहले टेस्ट में केएल राहुल, जडेजा और जुरेल ने अपने शतक का जश्न खास अंदाज में मनाया था। दिल्ली में यशस्वी ने अपने सातवें सैकड़े की खुशी बेहद खास अंदाज में मनाई। उन्होंने पहले अपने दोनों हाथ हवा में उठाए फिर हेलमेट चूमा। उसके बाद उन्होंने डेसिंग रूम की ओर देखा और हेलमेट और दस्ताने उताकर दोनों हाथों से दिल बनाया। उसके बाद दर्शकों की ओर फ्लाइंग किस की।

स्मिथ के बराबर पहुंचे जायसवाल

यशस्वी ने सातवें शतक के साथ दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ का 24 साल से पहले ओपनर के रूप में सर्वाधिक सैकड़े लगाने का रिकॉर्ड बराबर किया। वहीं चार बार 150 प्लस करने का स्मिथ (4 बार) का रिकॉर्ड तोड़ दिया। सचिन के बाद दूसरे भारतीय यशस्वी सचिन के बाद दूसरे भारतीय जबकि संयुक्त चौथे खिलाड़ी हैं 24 साल से पहले सात या उससे अधिक सैकड़े लगाने वाले। सचिन ने इस उम्र में 11 सैकड़े लगाए थे। वहीं रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के सर डान ब्रैडमैन (12) के नाम है। वेस्टइंडीज की गारफील्ड सोबर्स (9) तीसरे नंबर पर हैं।

तीन साल का खिताबी सूखा खत्म करने उतरेगा भारत

- 4 बार सर्वाधिक ग्रेट ब्रिटेन की टीम ने यह ट्रॉफी जीती है
- 6 टीमें भाग लेंगी आठ दिन तक चलने वाले टूर्नामेंट में
- 18 मुकाबले खेले जाएंगे टूनामेंट में फाइनल सहित

सुल्तान जोहोर कप

एजेंसी | बाहरु

भारतीय जूनियर हॉकी टीम शनिवार से शुरू हो रहे सुल्तान जोहोर कप में दमदार प्रदर्शन कर विश्व कप की अपनी तैयारियों को पुख्ता करने उतरेगी। पीआर श्रीजेश की कोचिंग वाली भारतीय टीम की पहली टक्कर गत चैंपियन ग्रेट ब्रिटेन से होगी। टीम की निगाह तीन साल का खिताबी सूखा खत्म करने पर है। भारतीय टीम ने पिछला खिताब 2022 में जीता था। उसके बाद दोनों ही बार टीम तीसरे स्थान पर रही। छह टीमों के इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम को इसके बाद न्यूजीलैंड (12 अक्तूबर), पाकिस्तान (14 अक्तूबर), ऑस्ट्रेलिया (15 अक्तूबर) और मेजबान मलेशिया (17 अक्तूबर) का सामना करना है। राउंड-रॉबिन चरण के अंत में शीर्ष दो टीमें 18 अक्तूबर को खिताब के लिए आमने-सामने होंगी।

तीन बार का चैंपियन है भारत

भारत टूर्नामेंट में दूसरी सबसे सफल टीम है। उसने तीन खिताब (2013, 2014 और 2022) जीते हैं। सिर्फ 2016 को छोड़ दिया जाए तो भारतीय टीम हर बार सेमीफाइनल में जरूर पहुंची। श्रीजेश का मानना है कि यह टूर्नामेंट 28 नवंबर से चेन्नई और मदुरै में होने वाले जूनियर विश्व कप से पहले सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ अपने कौशल को परखने के लिए युवा खिलाड़ियों को शानदार मंच प्रदान करेगा।
श्रीजेश ने कहा, सुल्तान जोहोर कप हमारे लिए हमेशा से एक विशेष टूर्नामेंट रहा है। हमारी मौजूदा सीनियर टीम के कई खिलाड़ियों ने पहली बार यहीं पर अपनी छाप छोड़ी थी। यह युवा खिलाड़ियों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ खुद को परखने के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करता है।उन्हें यह समझने में मदद करता है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए क्या करना पड़ता है।इस टूर्नामेंट में मजबूत टीमों का सामना करने से खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर की प्रतिस्पर्धा का वास्तविक अनुभव मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

घुड़दौड़ : फॉक्सी के लिए अवसर

मुंबई। शनिवार को छह दौड़ों के आयोजन के साथ पुणे डर्बी सप्ताहंत का शुरुआत हो रही है। दिन की मुख्य दौड़ पंचशील मिलियन में सात तीन वर्षीय घोड़े हिस्सा ले रहे हैं। बेहराम कामा द्वारा प्रशिक्षित फॉक्सी इनमे बेहतर प्रतीत होता है और उसके जीत की संभावना है। पहली दौड़ दोपहर 2.45 बजे आरंभ होगी। विभिन्न दौड़ों के लिए हमारे चयन इस प्रकार है : 1- बलेनो (प्र.), ताबिर (द्वि.), 2- द मिलेनियम स्टॅार (प्र.), क्रिस्टोफल (द्वि.), 3- लॉर्ड एरिक (प्र.), अज़ुर (द्वि.), 4- फॉक्सी(प्र.), डॉन हुलियो (द्वि.), 5- बियान्ड स्टॉर्स (प्र.), डेक्सेरिटी (द्वि.), 6- इवाल्डो (प्र.), गोल्डन किंगडम (द्वि.), दिन का सर्वोत्तम- इवाल्डो।

पुलिस शील्ड क्रिकेट स्पर्धा प्रारंभ

मुंबई। ग्रेटर मुंबई पुलिस कमिश्नरेट और पुलिस शील्ड कमिटी के सौजन्य 78वें यूपील-पुलिस इन्विटेशन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता का आरंभ हुआ। प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही टीमों को ए, बी, सी और डी इन चार ग्रुपों में बांटा गया है। ग्रुप ए में पी जे हिंदू जिमखाना, डा. डी वाय पाटिल स्पोर्ट्स एसोसिएशन, कर्नाटक स्पोर्ट्स एसोसिएशन और पारसी जिमखाना, ग्रुप बी में विक्टरी क्रिकेट क्लब, पय्याड़े स्पोर्ट्स क्लब, इस्लाम जिमखाना और शिवाजी पार्क जिमखाना, ग्रुप सी में न्यू हिंद स्पोट्र्स क्लब, नेशनल क्रिकेट क्लब, एमसीए जिमखाना और न्यू हिंद क्रिकेट क्लब ग्रुप डी में क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया. मुंबई पुलिस जिमखाना, बांबे जिमखाना और यूपील स्पॉन्सर्स एकादश की टीमें हिस्सा ले रही हैं।

रणजी के बडोनी संभालेंगे दिल्ली की कमान

- प्रियांश को पहली बार टीम में

नई दिल्ली। आयुष बडोनी रणजी ट्रॉफी में पहली बार दिल्ली की कमान संभालेंगे। शुक्रवार को घोषित 24 सदस्यीय टीम में युवा ओपनर प्रियांश आर्य को पहली बार टीम में मौका दिया गया है। प्रियांश ने इस साल पंजाब के लिए आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करते हुए 475 रन बनाए थे। वह पदार्पण सत्र में ही टीम के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। वह पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ वनडे सीरीज खेलने वाली भारत ए टीम के सदस्य थे। उन्होंने अपने पहले ही मुकाबले में शतक जड़ा था। दिल्ली अपने अभियान की शुरुआत 15 अक्तूबर को हैदराबाद में करेगी। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) की चयन समिति ने यश ढुल को टीम का उपकप्तान बनाया है। नीतिश राणा की भी टीम में वापसी हुई है। कुछ समय तक उत्तर प्रदेश से खेलने के बाद ने घर वापसी की है। डीडीसीए सचिव अशोक शर्मा ने कहा, चयनकर्ताओं ने 24 खिलाड़ियों को इसलिए चुना है क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे प्रत्येक मैच में चयन के लिए एक बड़ा पूल हमेशा उपलब्ध रहता है। जब हम दिल्ली में घरेलू मैच खेलेंगे, तो हम इसे घटाकर 15 कर देंगे।

नौ खिलाड़ी रहेंगे होटल में

भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सिर्फ 15 खिलाड़ियों को ड्रेसिंग रूम में जाने की अनुमति देता है। इस बारे में पूछे जाने पर डीडीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, मैच के लिए चुने गए 15 खिलाड़ियों के अलावा अन्य नौ खिलाड़ी चार दिन टीम होटल में बिताएंगे। यह भी पता चला है कि कोचिंग स्टाफ या चयन समिति में से किसी को भी अनुबंध नहीं दिया गया है।

बॉलीवुड

दीपिका बनीं पहली 'मेंटल हेल्थ एम्बेसडर'

बॉलीवुड की सुपरस्टार दीपिका पादुकोण को देश के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने भारत की पहली 'मानसिक स्वास्थ्य एम्बेसडर' नियुक्त किया है। यह एक ऐतिहासिक कदम है, जो मानसिक स्वास्थ्य के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने और इस मुद्दे को सार्वजनिक स्वास्थ्य का अहम हिस्सा बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने कहा, 'दीपिका पादुकोण के साथ यह साझेदारी भारत में मानसिक स्वास्थ्य पर आम चर्चा को बढ़ावा देगी और लोगों में जागरूकता फैलाने में मदद करेगी। यह पहल मानसिक स्वास्थ्य को सामाजिक दृष्टि से मान्यता दिलाने में अहम साबित होगी।' विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने देशभर के नागरिकों के लिए एक बड़ी पहल की शुरुआत की है। राजधानी दिल्ली में आयोजित एक विशेष समारोह में उन्होंने नए स्वरूप वाले 'टेली-मानस' एप को लॉन्च किया। इस एप को मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और संकट के समय मदद उपलब्ध कराने के लिए तैयार किया गया है। भारत सरकार की इस पहल पर बात करते हुए दीपिका ने इस नियुक्ति पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कार्यक्रम में बात करते हुए कहा, 'यह मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है कि मुझे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के लिए पहला मानसिक स्वास्थ्य एम्बेसडर बनाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी है। मैं मंत्रालय के साथ मिलकर इस दिशा में काम करने और देश की मानसिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।

थ्रिलर सीरीज 'स्टॉर्म' का ऐलान

प्राइम वीडियो की बहुप्रतीक्षित ओरिजिनल ड्रामा सीरीज़ 'स्टॉर्म' की घोषणा कर दी गई है। इस प्रोजेक्ट के साथ सुपरस्टार ऋतिक रोशन और उनकी कंपनी एचआरएक्स फिल्म्स का एक रोमांचक नया सहयोग शुरू हुआ है। सीरीज़ का निर्देशन अजीतपाल सिंह कर रहे हैं, जबकि इसकी कहानी अजीतपाल सिंह, फ्रांस्वा लुनेल और स्वाति दास ने मिलकर लिखी है।
'स्टॉर्म' को ऋतिक रोशन और ईशान रोशन प्रोड्यूस कर रहे हैं, और खास बात यह है कि यह ऋतिक के करियर की पहली ओटीटी सीरीज़ होगी। इस थ्रिलर ड्रामा में शानदार कलाकारों की टोली नजर आएगी, जिसमें पार्वती थिरुवोथु, आलया एफ, सृष्टि श्रीवास्तव, रमा शर्मा और सबा आज़ाद मुख्य भूमिकाओं में हैं। मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित इस सीरीज़ का प्रोडक्शन जल्द ही शुरू होने वाला है, जो रहस्य और भावनाओं से भरी एक गहन कहानी पेश करेगी।

शेफाली जरीवाला के लिए भावुक हुए पराग त्यागी

'कांटा लगा गर्ल' शेफाली जरीवाला की मौत को 3 महीने से ज्यादा वक्त बीत चुका है। ऐसा कोई पल नहीं है, जब उनके पति पराग त्यागी उन्हें याद नहीं करते। 10 अक्टूबर को करवाचौथ के खास मौके पर पराग ने दिवंगत पत्नी की याद में भावुक वीडियो पोस्ट साझा किया है। अपने अटूट प्यार को जताते हुए आश्वासन दिया कि वह हमेशा उनके प्रति समर्पित रहेंगे। अभिनेता की पोस्ट देखने के बाद उनके चाहने वाले भी भावुक हो गए हैं।
शेफाली के साथ बिताए पलों का वीडियो साझा करते हुए पराग ने लिखा, 'मैं तुम्हारा इंतजार करूंगा, भले ही मुझे हमेशा के लिए आसमान तक ले जाए और अगर तुम्हें पा न सका, मैं स्वर्ग से भीख मागूंगा कि वह तुम्हें ढूंढ दे... तुम मेरी हो, चाहे जो हो जाए, मेरा प्यार हमेशा तुम्हारा रहेगा' पराग ने आगे लिखा, 'कृपया मुझे जल्द से जल्द फोन करें, मैं आपके बिना सांस नहीं ले सकता, मेरी परी, मेरी गुंडी' शेफाली का निधन इसी साल 27 जून, 2025 को मुंबई में हुआ था। उनके निधन की वजह कथित कार्डियक अरेस्ट बताई गई थी।हालांकि, पुलिस को संदेह था कि उपवास के दौरान लिए गए इंजेक्शन उनकी मौत का कारण बने थे। काम की बात करें तो शेफाली को 2000 के दशक में आए 'कांटा लगा' गाने से प्रसिद्धी हासिल हुई थी।

ऋषभ शेट्टी ने सिद्धिविनायक मंदिर में टेका माथा

साउथ सिनेमा के मशहूर अभिनेता और निर्देशक ऋषभ शेट्टी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' की जबरदस्त सफलता का जश्न मना रहे हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तूफान बनकर छाई हुई है और रिलीज के सिर्फ एक हफ्ते में ही इसने 300 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। इस बड़ी उपलब्धि के बाद ऋषभ शेट्टी ने अपनी सफलता का श्रेय भगवान को देते हुए मुंबई के प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर में माथा टेका।
सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में ऋषभ शेट्टी को सफेद शर्ट और लुंगी में देखा जा सकता है। उन्होंने अपने बाल और दाढ़ी वैसे ही रखी हुई हैं, जैसे उनके किरदार का लुक 'कांतारा चैप्टर 1' में था। ऋषभ नंगे पैर मंदिर पहुंचे और भगवान गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना की। पूजा के बाद उन्होंने हाथ जोड़कर मीडिया और वहां मौजूद प्रशंसकों का अभिवादन किया। 'कांतारा चैप्टर 1' की सफलता को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। यह फिल्म 2 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और शुरुआती दिनों से ही इसने बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन किया। वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' जैसी बड़ी रिलीज से कड़ी टक्कर मिलने के बावजूद, ऋषभ की फिल्म ने दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बना ली। फिल्म ने अब तक कुल 334.94 करोड़ की शानदार कमाई कर ली है और लगातार आगे बढ़ रही है।

फॉलो अप : कफ सिरप से बच्चों की मौत मामला

तमिलनाडु में दवा जांच में अनदेखी

एजेंसी । नई दिल्ली

तमिलनाडु में बने कफ सिरप से एमपी-राजस्थान में बच्चों की मौत का मामला चर्चा में आने के बाद भारत के महालेखा परीक्षक (CAG) की 10 दिसंबर 2024 की तमिलनाडु के पब्लिक हेल्थ इंफ्रास्ट्रचर एंड मैनेजमेंट ऑफ हेल्थ सर्विस से जुड़ी एक रिपोर्ट में सामने आई। इसमें बताया गया है कि राज्य में ड्रग इंस्पेक्शन (टेस्टिंग) में कमी देखी गई थी। साथ ही ड्रग्स (दवा) सैंपल कलेक्शन में भी कमी की गई थी। तमिलनाडु में एक लाख सैंपल के टेस्टिंग का टारगेट था, लेकिन सिर्फ 66,331 टेस्ट ही किए गए थे।

संक्षेप में मामला

MP के छिंदवाड़ा, बैतूल और पांढुर्णा में जहरीले कफ सिरप कोल्ड्रिफ के सेवन से अब तक 25 बच्चों की मौत हो चुकी है। सिरप बनाने वाली श्रीसन फार्मास्युटिकल का मालिक रंगनाथन 9 अक्टूबर को चेन्नई से गिरफ्तार किया गया। मामले में जांच SIT कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने CBI जांच की मांग खारिज की

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश-राजस्थान में कफ सिरप से बच्चों की मौत मामले में CBI या ज्यूडिशियल जांच की मांग खारिज कर दी है। CJI बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने ब्रीफ सुनवाई के बाद ये फैसला किया। विशाल तिवारी ने याचिका में मांग की थी कि ये लापरवाही की चरम सीमा है। इसलिए मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। केंद्र की ओर से पेश सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिका का विरोध किया। उन्होंने कहा कि याचिका अखबारों में पढ़ी गई खबरों पर आधारित है। घटना से संबंधित कोई भी दस्तावेज या सबूत याचिकाकर्ता के पास मौजूद नहीं है।

कैग रिपोर्ट में हुआ खुलासा

CAG ने 2024 में क्या कहा...

- 2016-17 में तमिलनाडु में कुल 1,00,800 टेस्टिंग का टारगेट था, लेकिन 34% कम यानी 66,331 टेस्ट ही किए गए।
- 2020-21 में ड्रग्स इंस्पेक्शन की कमी बढ़कर 38% हो गई, इस दौरान 1 लाख 800 टेस्ट की जगह केवल 62,358 टेस्ट ही किए गए।
- 2016 से 2021 के पीरियड में सबसे ज्यादा 40% टेस्ट की कमी 2019-20 में दर्ज की गई थी।
- ड्रग्स इंस्पेक्टरों ने दवा के सैंपल कलेक्ट करने में लापरवाही दिखाई, साल 2018-19 और 2020-21 में सैंपल कलेक्शन में 54% की कमी रही।

एमपी की स्वास्थ्य सेवाओं की खुली पोल

एक तरफ मध्य प्रदेश जहरीली खांसी की दवा के कारण 23 बच्चों की दुखद मौत से जूझ रहा है, वहीं दूसरी तरफ नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के एक नए खुलासे ने राज्य की दवा विनियमन और खरीद प्रणाली में एक गहरे संकट को उजागर किया है। सीएजी की 2024-25 की रिपोर्ट से पता चलता है कि मध्य प्रदेश पब्लिक हेल्थ सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीपीएचएससीएल) ने उन दवाओं की खरीद और वितरण जारी रखा, जिन्हें भारत सरकार द्वारा मानव उपयोग के लिए स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित किया गया था, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य को गंभीर खतरा पैदा हो गया।

एमपीपीएचएससीएल ने की खरीद में सहायता

इसके बावजूद, कैग ने पाया कि एमपीपीएचएससीएल ने न केवल ऐसी दवाओं के लिए दर अनुबंध निष्पादित किए, बल्कि राज्य के स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा उनकी खरीद में भी सहायता की। खरीदी गई प्रतिबंधित दवाओं में मेट्रोनिडाजोल + नॉरफ्लोक्सासिन (जो एक जीवाणुरोधी और अमीबिक-रोधी दवा है) के निश्चित-खुराक संयोजन शामिल थे, जो 10 मार्च, 2016 से प्रतिबंधित थे, लेकिन 27 अक्टूबर, 2016 और 1 जुलाई, 2017 के अनुबंधों के माध्यम से आपूर्ति किए गए थे, जिनकी कीमत 32.1 लाख रुपए थी। एजिथ्रोमाइसिन + सेफिक्सिम (जो रोगाणुरोधी हैं) के संयोजन पर भी 2016 में प्रतिबंध लगा दिया गया था, लेकिन 7 जुलाई, 2018 और 16 अगस्त, 2020 के अनुबंधों के माध्यम से 1.2 करोड़ रुपए की खरीद की गई थी।

रिपोर्ट में क्या हुआ खुलासा?

2017 और 2022 के बीच, निगम ने इन प्रतिबंधित दवाओं के लिए दवा कंपनियों के साथ 1.5 करोड़ रुपए के दर अनुबंध (निश्चित मूल्य समझौते) किए और जिला स्तर पर स्थानीय निविदाओं के माध्यम से 22.9 लाख रुपए की दवाएं खरीदीं, जिससे प्रतिबंधित दवा खरीद का कुल मूल्य 1.8 करोड़ हो गया। कैग की रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत प्रतिबंधित 518 दवाओं और निश्चित खुराक संयोजनों की सूची अधिसूचित की थी। इन दवाओं को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने मानव उपयोग के लिए निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगा दिया था।

आईपीएस पूरण कुमार आत्महत्या मामले की जांच करेगी एसआईटी

- चंडीगढ़ के आईजी की अध्यक्षता में कमेटी गठित

एजेंसी । चंडीगढ़

हरियाणा के आईपीएस अधिकारी एडीजीपी वाई पूरण कुमार की आत्महत्या मामले की जांच अब चंडीगढ़ पुलिस करेगी। मामले की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन कमेटी (एसआईटी) का गठन किया गया है। चंडीगढ़ के आईजी पुष्पेंद्र कुमार की अध्यक्षता में छह सदस्यीय टीम इस मामले की जांच करेगी। मामले में चंडीगढ़ पुलिस ने वीरवार रात को सुसाइड नोट के आधार पर केस दर्ज किया था। बावजूद इसके एडीजीपी वाई पूरण कुमार की पत्नी आईएएस अधिकारी अमनीत पी कुमार ने दर्ज एफआईआर पर सवाल उठाए हैं। अमनीत पी कुमार ने चंडीगढ़ पुलिस की महिला एसएसपी कंवरदीप कौर को पत्र लिखकर एफआईआर को अधूरा बताया है।

अभी भी पोस्टमार्टम को तैयार नहीं परिजन

आईएएस डी सुरेश और मृतक आईपीएस अधिकारी वाई पूरण कुमार के भाई जो विदेश से आए हैं, उन्होंने सेक्टर 9 पुलिस मुख्यालय में चंडीगढ़ के डीजीपी डॉ. सागर प्रीत हुड्डा से मुलाकात की है। उन्होंने डीजीपी को बताया कि जब तक हरियाणा डीजीपी और एसपी रोहतक गिरफ्तार नहीं हो जाते तब तक वह एडीजीपी पूरण कुमार का पोस्टमार्टम नहीं करवाएंगे।

अमनीत पी कुमार से मिले मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी

आईपीएस वाई पूरण कुमार की आत्महत्या मामले को लेकर हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी और गृह सचिव सुमिता मिश्रा शुक्रवार को आईएएस अमनीत पी कुमार से मिलने उनके आवास पर पहुंचे और संवेदना जताई। अनुराग रस्तोगी और सुमिता मिश्रा करीब डेढ़ घंटे तक आईएएस अमनीत पी कुमार से मिले हैं। अनुराग रस्तोगी और सुमिता मिश्रा के साथ आईएएस राज शेखर वुडरू भी मौजूद रहे।

न्यूज़ ब्रीफ

स्वदेशी एआई मॉडल फरवरी तक हो तैयार : इलेक्ट्रॉनिक्स सचिव

नई दिल्ली। भारत का स्वदेशी रूप से विकसित किया जा रहा अपना एआई मॉडल अगले साल फरवरी में होने वाले 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट से पहले तैयार हो जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस कृष्णन ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कृष्णन ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) को संबोधित करते हुए कहा, एआई क्षेत्र में देर से प्रवेश करने के बावजूद भारत ने अपनी कंप्यूटिंग अवसंरचना को तेजी से बढ़ाया है और 10,000 जीपीयू (ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट) के लक्ष्य के मुकाबले 38,000 जीपीयू की तैनाती की है। भारत अपने मॉडल तैयार कर रहा है। भारत में विकसित ऐसा स्वदेशी एआई तंत्र होगा जो पूरी तरह भारतीय डाटा पर प्रशिक्षित होगा और देश के भीतर स्थित सर्वरों पर ही संचालित किया जाएगा।

गाजा में शुरू हुआ युद्धविराम, सैनिकों ने लौटना शुरू किया

तेल अवीव। इजरायल-हमास के बीच सहमति के बाद शुक्रवार को गाजा में युद्धविराम शुरू हो गया। सेना ने पुष्टि की कि समझौते के आधार पर सैनिकों ने वापस लौटना भी शुरू कर दिया है। सेना ने घोषणा की कि समझौता स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 बजे से लागू हो गया है। इसके अलावा सेना ने बताया कि सैनिक सहमति के साथ अपनी तैनाती रेखाओं पर लौट रहे हैं। सेना की घोषणा के बाद लोग अपने खंडहर हुए घरों की ओर लौटना शुरू हो गए। उधर, शुक्रवार को कई इलाकों में गोलीबारी की भी जानकारी सामने आई है। एक इजरायली सुरक्षा अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सेना को जिस रेखा पर वापसी के लिए भेजा जा रहा है, वहां पर वह गाजा के लगभग 50 फीसदी हिस्से को अपने नियंत्रण में रखेगी।

पाक में तीन कबायली नेताओं का अपहरण कर हत्या

नई दिल्ली। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को तीन कबायली नेताओं का प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकवादियों ने अपहरण कर उनकी हत्या कर दी। गुरुवार को अपहृत किए गए ये कबायली नेता बेतानी जनजाति के थे। वे खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लक्की मरवत जिले में स्थित एक आंदोलन, मरवत बेतानी कौमी तहरीक से भी जुड़े थे, जो स्थानीय मरवत और बेतानी पश्तून जनजातियों के हितों का प्रतिनिधित्व करता है। आतंकवादियों ने शुरू में मध्यस्थों को आश्वासन दिया था कि अपहृत नेताओं को सुरक्षित रिहा कर दिया जाएगा। हालांकि अपने वादे के विपरीत, पीड़ितों को गंभीर यातनाएंदी गईं और बाद में उन्हें मार डाला गया और उनके शव बन्नू जिले के तोची पुल के पास फेंक दिए गए। सरकारी सुरक्षा एजेंसियों के लिए जासूसी करने के आरोप में लोगों को निशाना बनाते हैं और उनका अपहरण करते हैं। प्रतिबंधित टीटीपी द्वारा नवंबर 2022 में सरकार के साथ संघर्ष विराम समाप्त करने के बाद, पाकिस्तान में, विशेष रूप से खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में, आतंकवादी हमलों में वृद्धि देखी गई है।

बिहार के बाद अब देशभर में एसएआर करवाएगा चुनाव आयोग

- पहले फेज में बंगाल, असम समेत 5 राज्य, इनमें अगले साल विधानसभा चुनाव

एजेंसी । नई दिल्ली

चुनाव आयोग (EC) बिहार के बाद अब देशभर में फेजवाइज स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी SIR (सामान्य शब्दों में वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन) करवाएगा। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। देश में SIR की शुरुआत उन राज्यों से होगी, जहां अगले साल 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में पहले फेज में असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट का वेरिफिकेशन होगा। दरअसल, चुनाव आयोग SIR के तहत वोटर लिस्ट की जांच करता है। आयोग के अनुसार, इसका उद्देश्य मतदाता सूची को अपडेट करना और अवैध मतदाताओं, जैसे विदेशी नागरिकों, मृत व्यक्तियों या स्थानांतरित लोगों को हटाना है।

सभी राज्यों में SIR पर काम चल रहा: मुख्य चुनाव आयुक्त

मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार ने 6 अक्टूबर को कहा था कि सभी राज्यों में SIR शुरू करने का काम चल रहा है। इसके रोलआउट पर अंतिम फैसला चुनाव आयोग लेगा। तीनों आयुक्त राज्यों के लिए SIR शुरू करने की तारीखों पर फैसला लेने के लिए मिलेंगे। बिहार विधानसभा चुनावों की घोषणा करते हुए CEC कुमार ने 24 जून को बिहार SIR शुरू करते समय अखिल भारतीय SIR की योजना की घोषणा की थी।

अमेरिका ने दो भारतीयों समेत 50 कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया

- ईरान के ऊर्जा व्यापार में मदद करने का आरोप

एजेंसी । वाशिंगटन

वाशिंगटन से मिली जानकारी के मुताबिक, अमेरिका ने ईरान के ऊर्जा व्यापार में मदद करने के आरोप में दो भारतीय नागरिकों समेत दुनिया की 50 अन्य कंपनियों और पोतों पर शुक्रवार को प्रतिबंध लगा दिया। वित्त विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय ने बताया कि इन प्रतिबंधित व्यक्तियों और कंपनियों ने ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में मदद की।

प्रतिबंधित भारतीय नागरिक और उनके पोत

प्रतिबंधित भारतीय नागरिकों में वरुण पूला शामिल हैं, जो मार्शल द्वीप स्थित बर्था शिपिंग इंक के मालिक हैं। यह कंपनी कोमोरोस झंडे वाला पोत पामिर संचालित करती है, जिसने जुलाई 2024 से चीन तक लगभग 40 लाख बैरल ईरानी एलपीजी पहुंचाई। दूसरी भारतीय सोनिया श्रेष्ठा हैं, जो वेगा स्टार शिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड की मालिक हैं। उनका पोत नेप्टा, कोमोरोस झंडे वाला, जनवरी 2025 से अब तक पाकिस्तान को ईरान से एलपीजी पहुंचा रहा है।

सरकारी बैंकों में अब निजी क्षेत्र के अफसर भी बन सकेंगे एमडी

एजेंसी । नई दिल्ली

सरकार ने शुक्रवार को बैंकिंग क्षेत्र के लिए एक बड़े फैसले का एलान किया। अब देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) सहित अन्य पीएसबी बैंकों में शीर्ष प्रबंधन पदों पर निजी क्षेत्र के उम्मीदवारों की तैनाती हो सकेगी। नए दिशा-निर्देशों केअनुसार एसबीआई में प्रबंध निदेशक के चार पदों में से एक पर निजी क्षेत्र के उम्मीदवारों और सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों में काम करने वाले व्यक्तियों को काम करने का अवसर मिल सकेगा। फिलहाल, सभी एमडी और अध्यक्ष पद आंतरिक उम्मीदवारों से ही भरे जाते हैं। नियुक्ति के संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार अब एमडी का एक पद निजी क्षेत्र के उम्मीदवारों की तैनाती के लिए उपलब्ध होगा।

नए दिशा-निर्देश लागू होते ही एसबीआई एमडी का पद रिक्त माना जाएगा

सरकार की ओर से कहा गया है कि सार्वजनिक क्षेत्र के पद के लिए पात्र उम्मीदवार भी ऐसी रिक्तियों के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे। इन दिशानिर्देशों के लागू होने की तिथि से एसबीआई के एमडी का पहला पद रिक्त माना जाएगा। दिशा-निर्देशों के अनुसार पहली रिक्ति के बाद बनने वाली रिक्तियों को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में पद धारण करने वाले पात्र उम्मीदवारों से भरा जाएगा। राष्ट्रीयकृत बैंकों में कार्यकारी निदेशकों की तैनाती पर नए निर्देशों में कहा गया है कि बैंक में एक पद निजी क्षेत्र के उम्मीदवारों सहित सभी पात्र उम्मीदवारों के लिए खुला रहेगा। बड़े राष्ट्रीयकृत बैंकों में चार कार्यकारी निदेशक हैं। जबकि छोटे छोटे बैंकों में ऐसे दो पद हैं।

एसबीआई के अलावे 11 सरकारी बैंकों में हो सकेगी तैनाती

मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति की ओर से जारी नए दिशानिर्देशों में निजी क्षेत्र के उम्मीदवारों को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में कार्यकारी निदेशक (ईडी) की चयन प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति दी गई है। एसबीआई के अलावा पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ इंडिया सहित 11 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक हैं। समिति के अनुसार निजी क्षेत्र के उम्मीदवारों की एमडी के पद पर नियुक्ति के लिए कम से कम 21 वर्ष का अनुभव होना चाहिए। इसमें कम से

सिनेमा राष्ट्र निर्माण की आत्मा : गौतम अदाणी

दोपहर संवाददाता । मुंबई

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने शुक्रवार को मुंबई में मशहूर फिल्म निर्माता सुभाष घई द्वारा स्थापित व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल में सिनेमा छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सिनेमा सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की आत्मा है। उन्होंने छात्रों को आगाह किया कि चाहे कला हो या मीडिया, कहानियों की ताकत इतनी होती है कि वे भाग्य और बाज़ार दोनों को प्रभावित कर सकती हैं।

सिनेमा की सॉफ्ट पावर पर ज़ोर

जीना यहां, मरना यहां : राष्ट्र निर्माण की सिनेमाई आत्मा' विषय पर बोलते हुए अदाणी ने सिनेमा को चलती फिरती कविता, संस्कृति का दर्पण और एक मजबूत सॉफ्ट पावर बताया, जो सरकारों और नीतियों से अधिक समय तक असर रखती है।

गुरुदत्त और राजकपूर को श्रद्धांजलि

अदाणी ने गुरुदत्त और राज कपूर को उनकी शताब्दी पर याद किया और कहा कि राज कपूर ने अपनी फिल्मों से भारत को वैश्विक मंच पर पेश किया। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे सोवियत संघ में कपूर की लोकप्रियता ने कठिन समय में राष्ट्रों के बीच सांस्कृतिक संबंध मजबूत किए।

व्यक्तिगत यात्रा और सिनेमा से जुड़ाव

उन्होंने बताया कि 16 साल की उम्र में खाली जेबों के साथ मुंबई आने पर कैसे सिनेमा ने उनके सपनों को आकार दिया। 30 की उम्र तक उन्होंने भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक समूह खड़ा कर लिया था। उन्होंने कहा कि असली जीवन में भी फ़िल्मों के नायक जैसा बना जा सकता है। अदाणी ने 2023 की हिंडनबर्ग रिपोर्ट का उदाहरण देते हुए कहा कि यह एक झूठी स्क्रिप्ट थी जिसने 100 अरब डॉलर से ज्यादा बाज़ार मूल्य मिटा दिया। उन्होंने कहा कि कहानियां बाज़ार और अर्थव्यवस्थाओं को भी आकार देती हैं, इसलिए सच को प्रचार नहीं, पर सत्य के रूप में ज़ोर से बोलना चाहिए।

एआई और सिनेमा का भविष्य

अदाणी ने बताया कि आने वाले दशक में एआई फिल्म निर्माण की दुनिया में क्रांति ला देगा। उन्होंने कल्पना की कि कैसे एक ही दिन में वैश्विक रिलीज़, मल्टी-लैंग्वेज गाने और दर्शकों के हिसाब से बदलती फिल्में हकीकत बनेंगी। एआई स्टूडियो में मनुष्य और मशीन साथ मिलकर सिनेमा बनाएंगे।

कहानियों को भारतीय दृष्टिकोण से दिखाएं

उन्होंने छात्रों से अपील की कि भारतीय कहानियों को विदेशी नज़र से नहीं दिखाएं। स्लमडॉग मिलियनेयर जैसे उदाहरणों से सीख लेकर उन्होंने कहा कि भारत को उसकी खुद की आवाज़ और दृष्टिकोण में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में उद्योग जगत, फिल्म जगत और शिक्षा क्षेत्र की कई प्रमुख हस्तियों ने हिस्सा लिया और अदाणी का गर्मजोशी से स्वागत किया।

सोलर डिमिंग पिछले 30 वर्षों के दौरान मैदानों में 13 घंटे और पहाड़ों पर नौ घंटे तक धूप कम

भारत में 30 साल में 13 घंटे कम हो गई धूप की अवधि

एजेंसी । वाराणसी

बीएचयू और देश भर के मौसम वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन कर बताया है कि भारत में सोलर डिमिंग यानी कि धूप की अवधि कम हो रही है। पिछले 30 वर्षों के दौरान मैदानों में 13 घंटे और पहाड़ों पर नौ घंटे तक धूप कम हो गई है। शहरों में बढ़ते प्रदूषण की वजह से ये समस्या हो रही है। इससे भारत की सौर नीतियों और सौर ऊर्जा की क्षमता पर भी असर पड़ सकता है। यह शोध बीते तीन दशकों में 1988 से 2018 के बीच हुआ है।

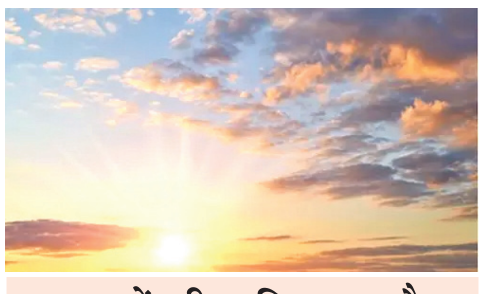

बादलों की अधिकता और शहरीकरण भी जिम्मेदार

बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक और शोधकर्ता प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मौसम के अध्ययन से पता चला कि मानसून और मानसून के बाद के समय में धूप की अवधि में सबसे ज्यादा कमी हो रही है।

बनारस के दिन-रात के पारा में 10 डिग्री का अंतर

बनारस बृहस्पतिवार को 33.5 डिग्री के साथ बनारस प्रदेश का पांचवां सबसे गर्म जिला बन गया है। दिन और रात के तापमान में 10 डिग्री सेल्सियस का फर्क आ रहा है। बृहस्पतिवार को जिले का अधिकतम पारा सामान्य के बराबर 33.5 डिग्री सेल्सियस तक गया वहीं न्यूनतम तापमान 23 डिग्री तक चला गया। दूसरी ओर अक्तूबर महीने के 10 दिन के औसत से बनारस में 771 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पछुआ हवा कुछ ही दिन में एक्टिव हो जाएगी तो ठंडक तेजी से बढ़ सकती है।

रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय पत्रिका 'साइंटिफिक रिपोर्ट्स' में प्रकाशित

यह रिसर्च नेचर पोर्टफोलियो की प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिका ''साइंटिफिक रिपोर्ट्स'' में भी प्रकाशित हो चुका है। बीएचयू ने मौसम विज्ञान विभाग और भारतीय उष्ण कटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, दिल्ली के साथ मिलकर यह शोध किया है। पूरे देश में 20 मौसम केंद्रों पर पूरे दिन में धूप अवधि का विश्लेषण किया गया है। ये सभी 20 केंद्र देश के 9 जलवायुवीय क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। अध्ययन के दौरान धूप की अवधि में सबसे तेज गिरावट उत्तरी आंतरिक मैदानी क्षेत्रों में मिली है। हिमालयी क्षेत्र में लगभग 9 घंटे प्रति वर्ष और पश्चिमी तटीय क्षेत्र में करीब 8.6 घंटे प्रति वर्ष की कमी आई है। पूर्वी तटीय और मध्य भारत में भी मध्यम गिरावट रही जबकि पूर्वोत्तर भारत में कोई कमी नहीं रही।

जम्मू-कश्मीर के 99.9% लोग हमारे साथ : केंद्र सरकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को जम्मू-कश्मीर को दोबारा राज्य का दर्जा देने से जुड़ी याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने के लिए 4 हफ्तों का समय दिया है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और जम्मू-कश्मीर प्रशासन के बीच बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग झूठी बातें फैला रहे हैं और जम्मू-कश्मीर की भयावह तस्वीर पेश कर रहे हैं। राज्य के हालात सामान्य हैं, विकास हो रहा है और 99.9% लोग सरकार के साथ हैं। मेहता ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में कई बातें हैं जिन पर विचार करने की जरूरत है। इससे पहले 14 अगस्त को हुई सुनवाई में कोर्ट ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से आठ हफ्तों के अंदर लिखित जवाब मांगा था। दरअसल, 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटाने के बाद केंद्र सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश बनाया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में केंद्र के फैसले को चुनौती दी गई। दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य से आर्टिकल 370 हटाने और विशेष राज्य का दर्जा समाप्त करने को सही माना था।